राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,03 अप्रैल-2023 वर्ष-6,अंक-68 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोएडा में केवल इतने प्रतिशत फ्लैट ही रजिस्टर्ड, 115 में 89 प्रोजेक्ट डिफॉल्टर

नोएडा। नोएडा अथॉरिटी द्वारा वेबसाइट पर ये डाटा अपलोड किया गया है। वेबसाइट पर अपलोड डाटा के मुताबिक साल 2016 से 2017 तक 115 प्रोजेक्ट्स के लिए एक लाख तीस हजार फ्लैट्स के लिए मंजूरी दी गई थी। मंजूरी मिलने के बाद केवल 56,790 फ्लैट्स ही रजिस्टर्ड हुए हैं। जो कुल फ्लैट्स का 40 प्रतिशत ही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन 115 प्रोजेक्ट्स में से 89 प्रोजेक्ट्स को डिफॉल्टर घोषित कर दिया गया है। इन डिफॉल्टर प्रोजेक्ट्स के ऊपर 26,000 करोड़ रुपए बकाया होने की बात भी सामने आई है। जिन 24 प्रोजेक्ट्स ने सारा बकाया चुकाया है उनमें से भी केवल 15 प्रोजेक्ट्स को ही कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिला है।

कैसे मिलता है कंप्लीशन सर्टिफिकेट

जब किसी प्रोजेक्ट की शुरुआत होती है और वो काम पूरा करने के बाद प्रोजेक्ट में सारी सुविधाएं मुहैय्या करवा देते हैं। इसके लिए लाइसेंस की शर्तों को भी पूरा कर लिया जाता है तो ऐसा करने वाले प्रोजेक्स को कंप्लीशन सर्टिफिकेट दे दिया जाता है। नोएडा में सुविधाएं देने के मामले में प्रोजेक्ट्स का बुरा हाल है। कई प्रोजेक्ट्स में अभी तक पूरी सुविधाएं नहीं दी गई हैं जिसे लेकर लोगों में आए दिन रोष रहता है और वो अपनी मांगों को लेकर धरना करते रहते हैं।

2016-17 से 2021-22 तक नहीं मिली प्रोजेक्ट को मंजूरी-रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएडा में 2016-17 से लेकर 2021-22 तक किसी भी प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं दी गई है। नवभारत टाइम्स के अनुसार, इस मामले में नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों का कहना है कि पिछले फिस्कल ईयर में कुछ प्रोजेक्ट्स को अप्रूव किया गया था। जिन प्रोजेक्ट्स को अप्रूव कर दिया गया था वो डिफॉल्टर्स की लिस्ट में शामिल नहीं हैं।

पहले उद्धव ठाकरे ने किया विरोध

अब शरद पवार ने दिया झटका; सावकर के मुद्दे पर महाराष्ट्र में अकेली पड़ी कांग्रेस

नई दिल्ली। भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) को लेकर राहुल गांधी के द्वारा दिए बयानों के बाद कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में अलग-थलग पड़ती नजर आ रही है। पहले उद्धव ठाकरे ने इसका विरोध किया। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया शरद पवार ने सावरकर को महान बताकर कांग्रेस को झटका दिया है। पवार ने शनिवार को कहा कि सावरकर का वैज्ञानिक दृष्टिकोण था और वह एक प्रगतिशील व्यक्ति थे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनको लेकर दिए गए राहुल गांधी के बयानों से राजनीतिक विवाद हुआ है, जो कि लोगों को गंभीर मुद्दों से भटका रहा है। शरद पवार ने आगे कहा कि उन्होंने भी सावरकर को लेकर कुछ बयान दिए थे, लेकिन वे विशेष रूप से हिंदू

महासभा के बारे में थे। जिसके नेता सावरकर थे। शरद पवार ने सावरकर को अपने समय का बहुत प्रगतिशील नेता बताते हुए कहा, उन्होंने अपने घर के सामने एक मंदिर बनवाया और इसकी जिम्मेदारी वाल्मीकि समुदाय के एक सदस्य को दी थी।

इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) ने कहा था कि वह सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने सावरकर को कायर बताते हुए कहा था कि उन्होंने अपनी आजादी के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी थी। इतना ही नहीं, लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के बाद उन्होंने कहा था, ÷मैं सावरकर नहीं, मैं गांधी हूं। मैं माफी नहीं मांगूगा।

सीएम नीतीश ने चीफ सेक्रेटरी आमिर सुबहानी को भरी सभा मे हड़काया, कहा- खाली लंबा चौड़ा भाषण देते है

शरद पवार ने कहा, सावरकर आज के समय में एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं हैं। देश इस समय बहुत सारी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उन पर सभी का ध्यान देने की जरूरत है। पवार ने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी की टिप्पणियों को बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, यहां तक कि प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान भी इस तरह के बयान दिए गए थे। इसे रचनात्मक तरीके से देखा जाना चाहिए।

शरद पवार ने सावरकर के बलिदानों के याद करते हुए कहा, ब्रिटिश राज द्वारा राष्ट्र के लिए उनके बलिदान और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में सेलुलर जेल में उनके कारावास को भुलाया नहीं जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट से अगले 6 महीने के अंदर रिटायर होंगे ये 7 जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आने वाले छह माह में सात जज सेवानिवृत्त हो जाएंगे, जिससे सर्वोच्च अदालत में सात रिक्तियां पैदा हो जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट में इस समय कोई रिक्ति नहीं है। अधिकृत जज संख्या 34 पूरी है। फरवरी में एक साथ सात जजों की नियुक्ति होने से सुप्रीम कोर्ट में रिक्तियां समाप्त हो गई थीं। सेवानिवृत्त होने की कड़ी में सबसे पहले मई में जस्टिस एमआर शाह और दिनेश माहेश्वरी का नाम है। उनके बाद जून में जस्टिस केएम जोसेफ, अजय रस्तोगी और वी. रामासुब्रह्मण्यम सेवानिवृत्त होंगे। इसके बाद जुलाई और अक्तूबर में जस्टिस कृष्ण मुरारी और रविंद्र भट्ट रिटायर होंगे। जस्टिस जोसेफ, एमआर शाह और अजय रस्तोगी

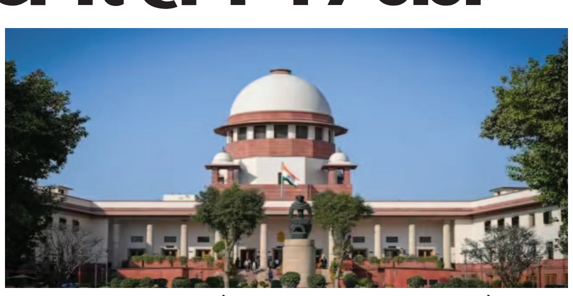

कोलेजियम के सदस्य हैं जो सुप्रीम कोर्ट में और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति करते हैं। इसके बाद 25 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में दूसरे वरिष्ठतम जज जस्टिस एसके कौल सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस कौल भी कोलेजियम के सदस्य हैं। सुप्रीम कोर्ट में पांच वरिष्ठतम जजों की कोलेजियम सर्वोच्च अदालत में जजों की नियुक्तियां करती हैं। ये जज हाईकोर्ट से लाए जाते हैं जो वहां या तो मुख्य न्यायाधीश होते हैं या उनकी जज के रूप में कम से कम 10 वर्ष सेवा होती है। इन जजों को मेमोरंडम ऑफ प्रोसीजर (एमओपी) यानी नियुक्ति के ज्ञापन के जरिये चुना जाता है। उसके बाद इनकी सिफारिशें सरकार को भेजी जाती हैं, जो जांच के बाद उसकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी करती है।

शासन की सख्ती : सुपरटेक ट्विन टावर मामले में 11 अफसरों के रिकॉर्ड तलब

नोएडा। भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बने सुपरटेक ट्विन टावर के मामले की जांच एक बार फिर तेज हो गई है। इस प्रकरण में शासन की ओर से गठित एसआईटी की जांच के बाद 26 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। शासन ने इनमें से 11 अधिकारियों की जांच ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव को सौंपी है। उन्होंने इनकी जांच का रिकॉर्ड पूर्व जांच अधिकारी एसीईओ प्रवीण मिश्रा से मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-93ए स्थित सुपरटेक एमरॉल्ड कोर्ट सोसाइटी में बने ट्विन टावर 28 अगस्त 2022 को ध्वस्त किए गए थे। ट्विन टावर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण पर सख्त टिप्पणी कर प्राधिकरण की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि प्राधिकरण के चेहरे ही नहीं, उसके मुंह, नाक, आंख सभी से भ्रष्टाचार टपकता है। प्राधिकरण के अधिकारियों की बिल्डर से साठगांठ है। इसके बाद शासन ने भी इस मामले में उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर

मामले की जांच कराई थी। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर मामले में शामिल 26 अधिकारियों/कर्मचारियों, सुपरटेक लिमिटेड के निदेशकों और उनके आर्किटेक्ट्स के खिलाफ 4 अक्टूबर 2021 को मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस प्रकरण में जिन 26 अधिकारियों पर आरोप हैं, उनमे से 20 रिटायर हो चुके हैं। दो की मौत हो चुकी है। चार आरोपी सेवा में थे, उन्हें सस्पेंड कर दिया गया।

सुपरटेक के ट्विन टावर मामले में प्राधिकरण के अधिकारियों की जांच का जिम्मा शासन ने एसीईओ प्रवीण मिश्रा को दिया गया था। उनका 30 सितंबर 2022 को स्थानांतरण होने के बाद से इस मामले की जांच शुरूकी थी। यह जांच अन्य किसी अधिकारी को नहीं मिल सकी थी, जिसको लेकर नोएडा प्राधिकरण की ओर से बीते छह माह में तीन बार शासन को पत्र भेजा गया था। इसके बाद हाल ही में ग्रेटर नोएडा के ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव को इस मामले की जांच सौंपी गई। ओएसडी सौम्य ने कहा कि शासन के निर्देश पर वह मामले की जांच कर रहे हैं और इस जांच को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व के जांच अधिकारी से इस प्रकरण से जुड़ा सारा रिकॉर्ड मांगा है।

भूस्खलन की चपेट में आने से एक जवान की मौत, 5 दिन बाद शव बरामद

गुवाहाटी। असम में भूस्खलन की चपेट में आने से एक जवान की मौत हो गई है। दरअसल 27 मार्च को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में अचानक भूस्खलन आया था। तवांग सेक्टर में अग्रिम क्षेत्र में एक परिचालन कार्य के दौरान भारतीय सेना के जवानों की एक टीम 27 मार्च की तड़के अचानक बड़े पैमाने पर भूस्खलन में धस गई थी। भूस्खलन से पेड़, चट्टान और मिट्टी सहित 6-7 फीट का मलबा फैल गया था।

भूस्खलन की चपेट में आने से जवान की मौत

मलबे में भारतीय सेना के जवान किसी तरह बच कर बाहर निकल गए थे। लेकिन सूबेदार एएस धगले मलबे में फंस गए। उसका पता लगाने के लिए तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया।

टीम ने लगातार भूस्खलन वाले क्षेत्र में जवान को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसके बाद आज मलबे से सूबेदार एएस धगले का शव बरामद किया गया। उनके शरीर को जिला अस्पताल तवांग ले जाया गया है। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

महाराष्ट्र के रहने वाले थे शहीद-गुवाहाटी के रक्षा पीआरओ ने सूचित किया कि 27 मार्च को एक भूस्खलन के मलबे के नीचे दबने के बाद सुबेदार एएस धगले के रूप में पहचाने जाने वाले एक सैन्यकर्मी की मौत हो गई है। रक्षा पीआरओ ने बताया कि जवान का शव शनिवार को निकाला गया। उन्होंने बताया इस प्राकृतिक आपदा में धंसने के कारण मृतक जवान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले का रहने वाला था। उनकी तैनाती असम में की गई थी। सुबेदार एएस धगले के परिवार में उनकी अपनी पत्नी और दो बेटियां हैं।

भीषण गर्मी के लिए रहें तैयार, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा कि फरवरी महीने में रिकार्ड गर्मी के बाद मार्च में अंतिम पखवाड़े में हुई बारिश के कारण अभी मौसम ठंडा है, लेकिन अगले कुछ दिनों में तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर इलाकों में अप्रैल से जून तक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इस दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य व पूर्वी राज्यों में लू भी खूब चलेगी। विभाग के पूर्वनामुमान के मुताबिक, तीन और चार अप्रैल को उत्तर पश्चिम भारत में बारिश/आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना है।

अप्रैल से चलेगी लू-मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा में इस बार अप्रैल में सामान्य से अधिक दिन लू चलेगी। अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री

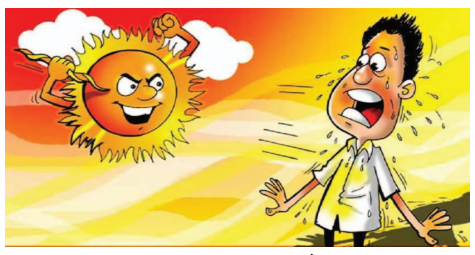

सेल्सियस अधिक होने पर लू चलती है।

लू कब चलती है? जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाए तो माना जाता है कि लू चल रही है। इस बार लू वाले दिनों की संख्या अधिक रहने की संभावना है।

1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा फरवरी महीना-मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बीता फरवरी महीना वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा। वहीं, मार्च में सात बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 37.6 मिलीमीटर वर्षा हुई, जो सामान्य (29.9 मिलीमीटर) से अधिक है, जबकि पिछले वर्ष 2022 में मार्च सबसे गर्म व 121 वर्षों में तीसरा सबसे सूखा मार्च का महीना था।

अप्रैल में सामान्य वर्षा होने की उम्मीद

मौसम विभाग के अनुसार, इस बार अप्रैल में सामान्य वर्षा होने की उम्मीद है। अप्रैल में सामान्य तौर पर देशभर में 39.2 मिमी बारिश होती है। उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है, जबकि पूर्व व उत्तर-पूर्व भारत में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है।

स्कूलों में फिर ऑनलाइन लगेंगी क्लास या मास्क संग होगी एंट्री ? दिल्ली में कोरोना ने बढ़ाई अभिभावकों की टेंशन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर बढ़ते कोरोना मामलों के बीच निजी स्कूलों में इसी सप्ताह क्लासेस शुरू होने वाली हैं। इसे देखते हुए अभिभावकों को फिर से बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी है। उनका कहना है कि स्कूल प्रशासन स्वयं स्थिति का संज्ञान लें और कुछ दिन कक्षाएं ऑनलाइन कर दें। उधर, स्कूल प्रशासन ने अपने यहां सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई स्कूलों में मास्क के बिना प्रवेश नहीं देने का फैसला लिया गया है।

पटपड़गंज में रहने वाली अन्विति सिंह का कहना है कि पिछले दिनों मौसम में बदलाव के कारण बच्चों की तबीयत खराब थी। इस बार मेरे बेटे को खांसी और बुखार आया। अब स्कूल खुलने वाले हैं तो कोरोना के मरीजों की संख्या फिर बढ़ रही है। बच्चे स्कूल में एक-दूसरे बच्चे के संपर्क में आते हैं और बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में स्कूलों को कुछ दिन ऑनलाइन क्लास चलानी चाहिए।

बच्चों पर पड़ सकता है प्रभाव - दिलशाद गार्डन निवासी पंकज शर्मा का कहना है कि कोविड का प्रभाव बच्चों पर पड़ सकता है। उससे अभिभावक भी प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन बच्चों को स्कूल भेजने और ऑनलाइन पढ़ने का हमने अंतर देखा है। विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल मयूर विहार फेस 3 के प्रिंसिपल डॉ. सतवीर शर्मा का कहना है कि कोरोना को देखते हुए सभी अभिभावकों को यह संदेश दिया जाएगा कि बच्चों को मास्क पहनाकर भेजें। स्कूल में मेडिकल

रूम में सभी तरह के जरूरी साधनों का इंतजाम करने के साथ क्लास रूम्स को भी सैनिटाइज कराया जा रहा है।

एहतियाती कदम उठा रहे - निजी स्कूलों के संगठन नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष डॉ. सुधा आचार्य का कहना है कि स्कूल नए शैक्षणिक सत्र के लिए तैयार हैं और बच्चे तीन अप्रैल से नए जोश और उत्साह के साथ जुड़ेंगे। हमने उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है।

नगर निगम भी तैयार

कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को लेकर नगर निगम के स्वामी दयानंद अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मरीजों के लिए बेड तैयार किए गए हैं। साथ ही ओपीडी में आने वाले मरीजों को सतर्क करने के लिए लाउडस्पीकर के माध्यम से मास्क पहनने की बार-बार चेतावनी दी जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में तैयारी कर दी है।

कोरोना के 416 ने संक्रमित मिले

बता दें कि, दिल्ली में शनिवार को एक कोरिया संकित मरीज की मौत हो गई। वहीं 416 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई है। दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज 12 सौ से अधिक हो गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, शनिवार को कोरोना के 416 नए मामले सामने आए। वहीं, 144 मरीजों को स्वस्थ होने पर छुट्टी दी गई, जबकि 1 मरीज ने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को 2895 लोगों की कोरोना की जांच हुई जिसमें 14.37 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए। दिल्ली में कोरोना के 1216

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उपद्रवियों पर लगाम

यह बहुत दुख और अफसोस की बात है कि रामनवमी की शोभायात्राएं देश में अनेक जगहों पर उपद्रव का कारण बनती आई हैं। इस बार भी पश्चिम बंगाल के हावड़ा में तनाव है, तो महाराष्ट्र के औरंगाबाद की एक शोभायात्रा और वडोदरा, गुजरात में दो शोभायात्राओं को निशाना बनाया गया है। उपद्रवियों की जितनी निंदा की जाए, कम है। उपद्रवी शोभायात्रा के साथ हों या इसके विरोध में, दोनों ही स्थितियों में पूरी कड़ाई का परिचय शासन-प्रशासन को देना चाहिए। हावड़ा में पश्चिम बंगाल सरकार को पहले ही हिंसा की आशंका थी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी चेताया था और इसके बाद भी अगर हिंसा हुई है, तो यह कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर एक बड़ी नाकामयाबी है। पुलिस में यदि क्षमता नहीं है, तो वह ऐसी शोभायात्राओं को मंजूरी ही क्यों देती है? अफसोस, अनेक वीडियों सामने आए हैं, जिनमें पुलिस तमाशबीन दिख रही है। कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का मामला है और इसमें किसी तरह की चूक के लिए पार्टी विशेष को जिम्मेदार ठहरा देने भर से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। हावड़ा, औरंगाबाद या वडोदरा में जब उपद्रव की आशंका थी, तब दो समूहों को कैसे भिड़ने दिया गया? क्या इन राज्यों की पुलिस अभी भी दंगे रोकने के तरीके सीख रही है? क्या उपद्रव की ऐसी साजिशें सियासी योजनाओं का हिस्सा हैं और इसीलिए साजिश रचने वालों को बहुत हद तक रियायत दी जाती है? कोई भी मुख्यमंत्री अपनी सफाई देते हुए किसी जांच से पहले ही किसी पार्टी का नाम क्यों ले? आज के समय में दंगा या उपद्रव जघन्य अपराध है और उसके पीछे जिस भी पार्टी या जिसका भी हाथ हो, उसे छोड़ा नहीं जाना चाहिए। लोगों को भड़काने या पत्थरबाजी का काम कभी स्वत-स्फूर्त नहीं होता, इसके लिए दंगाई मानसिकता के लोग बाकायदे तैयारी करते हैं। एआई और चैटजीपीटी के दौर में यह पुलिस के लिए बहुत शर्मनाक है, अगर थाना स्तर पर ही दंगाई मानसिकता वाले लोगों की पहचान और धरपकड़ नहीं हो पा रही है। दंगाइयों को पनपने ही नहीं देना चाहिए और अगर पनप भी गए, तो भीड़ बनने से पहले ही शिकंजा कस जाना चाहिए। दुर्भाग्य, पुलिस आज भी भीड़ से डरती है और उसे अक्सर पीछे हटते देखा जाता है। दरअसल, पुलिस ने स्वयं को कमजोर कर लिया है और जाहिर है, इसीलिए अक्सर लोगों को कानून हाथ में लेते देखा जाता है। ऐसा क्यों होता है, सत्तारूढ़ दलों को ज्यादा सोचना चाहिए। हावड़ा में चूंकि पहले दिन दंगाइयों के साथ रियायत बरती गई, तो उन्होंने दूसरे दिन भी ममता बनर्जी के शासन-प्रशासन को अंगूठा दिखा दिया। बेशक, उपद्रव करते जो लोग हावड़ा, औरंगाबाद या वडोदरा में पकड़े गए हैं, उनके खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिए, ताकि अगली बार जब कोई शोभायात्रा निकले, तो कोई भी हिंसक मानसिकता के साथ आगे आने की हिमाकत न करे। आज के समय में ऐसे उपद्रव हमारे राजनेताओं और समाज के कर्णधारों के दामन पर दाग हैं। विकास, रोजगार और सुख-चैन मांग रहे देश में उपद्रवियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जो भी पार्टी, जहां भी उपद्रवियों को प्रश्रय दे रही है, वास्तव में वह इस देश-समाज के साथ द्रोह कर रही है। इसके अलावा जो जान-माल का नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी भी दंगाइयों से करना न्यायोचित है। उनके घरों पर बुलडोजर भले न चले, पर कानून की तेज आंच जरूर पहुंचनी चाहिए।

पुतिन-जिनपिंग की नई वैश्विक व्यवस्था के मंसूबे

जी. पार्थसारथी

अमेरिका और इसके पश्चिमी सहयोगी मुल्कों को आस और विश्वास है कि पुतिन-जिनपिंग शिखर वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल नहीं होने वाला। मास्को शिखर वार्ता में रूस और चीन ने दोनों देशों को अमेरिका के नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था से दरपेश चुनौतियों से निपटने के लिए बृहद योजना पर विमर्श किया। अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगी यूक्रेन पर रूसी चढ़ाई के बाद से उस पर प्रतिबंध लगाने की मांग बार-बार कर रहे हैं। कुछ पश्चिमी देशों ने यह अयथार्थवादी आस भी प्रकट की थी कि उनकी 'यूक्रेन योजना' में चीन भी मदद करेगा और रूस को यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए मना लेगा। लेकिन यह उम्मीदें अब बिखर चुकी हैं। रूस-चीन संयुक्त घोषणापत्र में बाकायदा कहा गया है कि अमेरिका और इसके सहयोगियों को सभी मुल्कों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं की कद्र करनी होगी, साथ ही जोड़ा कि संघर्ष से बचा जाना चाहिए। रूस और चीन ने जोर देते हुए कहा कि एक समस्याओं का स्थिर निदान निकालने के लिए 'जिम्मेवाराना संवाद' सबसे बेहतर तरीका है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को प्रासंगिक रचनात्मक प्रयासों की सहायता करनी चाहिए।वास्तव में यह घोषणा सभी पक्षों से ऐसे काम बंद करने का आह्वान करती है जिनसे तनाव बढ़ता हो, ताकि किसी संकट को और गहराने या हाथ से बाहर निकलने से बचाया जा सके। घोषणापत्र का निष्कर्ष है कि चीन और रूस तमाम एकतरफा प्रतिबंध, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी नहीं मिली, उनका पुरजोर विरोध करते हैं। अमेरिका ने खोजी पत्रकार सैमूर हर्ष द्वारा लगाए इन इल्जामों को खारिज किया है कि रूस से जर्मनी को गैस ले जाने वाली और समुद्र सतह पर बिछी 'बेक्सी' गैस-पाइपलाइन को (जिसे नॉर्थस्ट्रीम भी कहा जाता है) विस्फोट से उड़ाने के पीछे उसका हाथ है। रूस और चीन ने दोटूक कहा 'भू-राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किसी दूसरे मुल्क के अंदरूनी मामलों में दखल के लिए अतिवाद का झंडा बुलंद करवाना और आतंकी एवं अतिवादी गुटों का इस्तेमाल करना बंद हो।' साथ ही यह मांग भी की है 'बेक्सी पाइपलाइन विस्फोट की जांच के लिए एक ईमानदार, निष्पक्ष और व्यावसायिक जांच हो।' यह बात अमेरिका और जर्मनी के लिए मुश्किल खड़ी करने वाली है, खासकर अंतर्राष्ट्रीय कानून की इज्जत करने में उच्च मूल्यों का पालन करने वाले जर्मनी के लिए- अगर वे यह दावा करते हैं कि उन्हें नहीं मालूम कि अंतर्राष्ट्रीय कानून को धता बताकर किसने जर्मनी के लिए बहुत महत्व रखने वाली गैस-पाइपलाइन को उड़ाया है। सबसे अहम, रूस और चीन का यह कहना कि 'सभी मुल्कों की वैध सुरक्षा चिंताओं की कद्र होनी चाहिए, और आग में घी डालकर दो पक्षों में तनातनी नहीं बढ़ानी चाहिए', इससे अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की इन आकांक्षाओं और उम्मीदों पर पानी फिरा है कि चीन रूस को यूक्रेन पर लचीलापन अपनाने के लिए मना लेगा। यूक्रेन के मामले में चीन ने रूसी रवैये को यह कहकर तगड़ा समर्थन दिया है कि समस्याएं सुलझाने के लिए सबसे बढ़िया रास्ता जिम्मेवारना संवाद है। सबसे महत्वपूर्ण, चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस का साथ देने का भरोसा दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 'संघर्ष को हवा देने वाले पक्ष तमाम वह काम बंद हों जिनसे तनाव बढ़ता है और युद्ध लंबा न खिंच पाए।' पुतिन अपने चीनी मेहमान से इससे ज्यादा की अपेक्षा नहीं रख सकते थे। अब देखना यह है कि क्या चीन को वह सैन्य साजो-सामान देगा, जिसकी उसे जरूरत है। इस घटनाक्रम से जिन देशों को सबसे अधिक चिंता होगी वे हैं, अमेरिका और इसके नाटो सहयोगी। रूस यूक्रेन पर अपनी कार्रवाई पर अब चीन की मदद लेकर निश्चिंत है। चीन और रूस ने यह संकेत भी दिया है कि उन्हें पश्चिमी देशों द्वारा लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों की जरा परवाह नहीं। अब राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिका को इस हकीकत के मद्देनज़र पुनर्विचार करना पड़ेगा कि रूस उस क्रीमिया में अपने सामरिक हित बरकरार रखना चाहता है, जो तीन सदियों से ज्यादा उसके नियंत्रण में रहा था और साथ ही पूरबी यूक्रेन में बसे रूसी भाषी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को दृढ़संकल्प है। पुतिन-जिनपिंग घोषणापत्र में इन दोनों की ओर स्पष्ट है कि वे एक-दूसरे के सुरक्षा हितों को बचाये रखने में साथ खड़े होने को तत्पर हैं। हालांकि घोषणापत्र में कुछ विषयों पर भारत का भी जिक्र आया है लेकिन ऐसा कुछ नहीं जिस पर भारत को आपत्ति हो। अब यह उभरकर आया है कि अमेरिका और इसके नाटो सहयोगियों से निपटना रूस-चीन का साझा हित है। गौरतलब है कि चीन भारत का सकारात्मक रूप से जिक्र करने से बचा है। चीन के लगातार बढ़ते घमंड की जरा भी जानकारी रखने वाले किसी शख्स को हैरानी नहीं होगी कि वह अपनी आर्थिक और सैन्य ताकत के बूते दुनिया में अपनी मान्यता बतौर एक वैश्विक शक्ति होने की हसरत रखता है। इसके अलावा, चीन का काफी ध्यान तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र में रूस के साथ मिलकर संयुक्त सुरक्षा तंत्र बनाने की तरफ है। चीन और रूस इसको लेकर भी काफी खुश हैं कि बाइडेन प्रशासन की अनाड़ी कूटनीति के चलते वे ईरान और सऊदी अरब के बीच दोस्ती प्रक्रिया बनवाने में सफल रहे हैं। इसी किस्म का सामान्य दोस्ताना रिश्ता वे सीरिया और सऊदी अरब के बीच बनवाने के भी इच्छुक हैं। इस घटनाक्रम के नतीजे ने खाड़ी क्षेत्र में तगड़ी रूस-चीन उपस्थिति बना दी है और अब वे इस तेल संपन्न इलाके में संयुक्त सुरक्षा तंत्र बनाने को दृढ़निश्चयी हैं। रूस-चीन की युगलबंदी का प्रभाव रूस-भारत रिश्तों पर पड़ने को लेकर कई मर्तबा चिंताएं भी जताई जाती हैं। भारत अपनी सेना का निरंतर आधुनिकीकरण करने में सबसे ज्यादा हथियार रूस से खरीदता आया है। भारत के स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी निर्माण में भी रूस काफी मददगार रहा है। भारत और रूस मिलकर ब्रह्मोस मिसाइलें भी बना रहे हैं, जिन्हें मित्र देशों को बेचा जा रहा है, जिसके खरीदार और बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा भारत को रूस वाजिब दामों पर पेट्रोलियम पदार्थ मुहैया करवा रहा है जो भारत के विदेशी मुद्रा भुगतान में संतुलन बनाने में सहायक है। वहीं दूसरी ओर रूस जानता है कि भारत-अमेरिका सुरक्षा सहयोग बढ़ रहे हैं और यह भी कि हिंद-प्रशांत महासागरीय इलाके में सुरक्षा स्थायित्व के लिए क्वाड और आई2यू2 गुटों की सदस्यता एवं अन्य मंचों पर भारतीय भागीदारी आगे भी बढ़ेगी। यूक्रेन तक हथियार पहुंचाने के लिए पाकिस्तानी मदद के चलते रूस उससे खफा है। लेकिन चीन की हरचंद कोशिश होगी कि वह पाकिस्तान की मदद करने को रूस को मनाए। इस सबके बीच, अपनी सामरिक सार्वभौमिकता रखना भारत की सुरक्षा एवं विदेश नीति की पहचान बनी हुई है और बनी रहनी चाहिए।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

दुआ कीजिए इस बेटी के लिए यह वाकई बेमिसाल है

अंकिता श्रीवास्तव, एथलीट

आधुनिक युग ने इस दुनिया की कई वर्जनाओं, प्राचीन रूढ़ियों को तोड़ा है, पर उनमें जो सबसे खूबसूरत तब्दीली है, वह इसकी आधी आबादी से जुड़ी हुई है। अब तो विकासशील देशों, पिछड़े मुल्कों की महिलाएं और लड़कियां भी दावा करने लगी हैं कि हम तो पूरा का पूरा आकाश लेंगे, हम से कम से कम की बात मत कीजिए! और फिर जब लड़कियां अंकिता श्रीवास्तव जैसी पराक्रमी हों, तो कोई देश या समाज भला कितने समय तक उनका हक छीन सकता है? आज से 29 साल पहले की बात है। अंकिता के जन्म के वक्त उनकी मां का हीमोग्लोबिन-स्तर महज चार रह गया था। डॉक्टरों ने फौरन खून चढ़वाने को कहा। उन दिनों खून की गुणवत्ता जांचने को लेकर बहुत जागरूकता न थी, परिणामस्वरूप जो रक्त चढ़ाया गया, उसके कारण अंकिता की मां हेपेटाइटिस बी के संक्रमण का शिकार बन गईं। अमूमन इस संक्रमण का तत्काल पता नहीं चलता और इसका वायरस धीरे-धीरे लीवर को नुकसान पहुंचाता जाता है। अंकिता की मां के साथ भी यही हुआ था। मगर दो बेटियों की परवरिश और पारिवारिक जिम्मेदारियों के निबाह में वह सेहत संबंधी छोटी-मोटी दिक्कतों को नजरअंदाज करती रहीं। दूसरी तरफ, अंकिता बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। श्रीवास्तव परिवार जब अपनी नन्ही बेटी को कोई कप या पदक जीतते देखता, तो निहाल हो उठता था। सब कुछ ठीक चल रहा था, मगर साल 2007 में उनकी मां गंभीर रूप से बीमार पड़ीं, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया, वह लीवर सिरोसिस की गिरफ्त में आ चुकी हैं। कैंसर के बाद यह दूसरी सबसे गंभीर बीमारी मानी जाती है। स्वाभाविक ही पूरा परिवार सदमे में आ गया था। कई डॉक्टरों से दिखाने के बाद एक ही रास्ता बचा था- लीवर ट्रांसप्लांट! लेकिन डोनर कहां से मिलता? इलाज चलता रहा, पर डॉक्टर बहुत उम्मीद नहीं बंधा रहे थे। तब अंकिता ने जिद पकड़ ली कि वह मां को अपना लीवर देंगी। मगर यह संभव न था, क्योंकि तब वह 14 साल की ही थीं। मां को भी यह गवारा न था कि वह बेटी की जिंदगी को किसी खतरे में डालें। अलबत्ता, वह बेटियों के लिए जीना चाहती थीं। अंकिता ने इंटरनेट से लीवर ट्रांसप्लांटेशन को लेकर जानकारियां जुटानी शुरू कीं, मगर उन्हें बहुत सीमित सूचनाएं मिलीं। अगले चार साल में उन्होंने मां को इस बात के लिए राजी किया कि वह ऑपरेशन के लिए मान जाएं। अंकिता जब तक 18 की हुईं, तब तक वे लोग देश भर के बड़े अस्पतालों का चक्कर लगा चुके थे, ताकि बेहतर से बेहतर अस्पताल में इस प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके। दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में आकर उनकी तलाश पूरी हुई और फिर 26 फरवरी, 2014 को वह क्षण भी आ गया, जब एक बेटी ने अपनी मां को जीवनदान देने के लिए ऑपरेशन थिएटर की ओर कदम बढ़ाया। अंकिता ने अपने लीवर का 74 प्रतिशत हिस्सा मां को दान कर दिया था। ऑपरेशन के 36 घंटे के बाद जब उनकी चेतना लौटी, तो उन्होंने खुद को ऐसे अंधेरे कक्ष में पाया, जहां कोई दूसरा शख्स नहीं था। अंकिता भयानक दर्द में थीं, मगर बेबसी यह थी कि अपनी पीड़ा वह किसी से कह भी नहीं सकती थीं। कई दिनों के बाद वह व्हीलचेयर के सहारे मां के सीसीसीयू कक्ष में दाखिल हुईं। वहां सिर्फ वही जा सकती थीं, क्योंकि डोनर से संक्रमण का सबसे कम खतरा रहता है। मां-बेटी ने सिर्फ आंखों से बातें कीं, इसके आगे की इजाजत नहीं थी। मां के सीसीसीयू कक्ष से उनके कमरे तक की लॉबी में मिलने वाला हर शख्स अंकिता को जानता था। सबकी आंखों में अगाध श्रद्धा मिलती, कुछ आंखें इस पाकीजा रिश्ते के एहसास से कभी-कभी नम भी जाया करतीं। मगर अंकिता का सारा दर्द मां का चेहरा देख जैसे शांत हो जाता था। महीनों तक उन्हें उठने-बैठने और चलने में खास सावधानी बरतनी थी। उन्होंने बरती भी। मगर उनका त्याग सफल नहीं हुआ। जून 2014 में मां ने दुनिया को अलविदा कह दिया। श्रीवास्तव परिवार के लिए यह गहरा झटका था। इलाज में सब कुछ लुट चुका था। फिर वही थीं, जो पूरे कुनबे को जोड़े हुए थीं। उनके जाते ही सब कुछ बिखर गया।

जिस मुश्किल घड़ी में अंकिता और उनकी बहन को पिता की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वह दामन झटककर अलग हो गए। उन्होंने अलग गृहस्थी बसा ली थी। अब दादी और छोटी बहन की जिम्मेदारी अंकिता के कंधों पर आ पड़ी थी। महज 19 वर्ष की जिंदगी में मां को तिल-तिल मरते देखना और पिता का यूं मुंह मोड़ लेना उन्हें फौलादी बना गया। उसी उम्र में उन्होंने भोपाल की एक प्रकाशन कंपनी में नौकरी की, जहां उन्हें मनीष व स्वाति राजोरिया मिले, जिन्होंने अंकिता को न सिर्फ अपनी बेटी की तरह, बल्कि उनकी दादी को भी अपनाया। अंकिता के आगे पढ़ने और बढ़ने में वे कदम-कदम पर साथ खड़े हुए। अनपेक्षित मोड़ों से गुजरकर जिंदगी लय पाने लगी थी। उसी समय एक पारिवारिक मित्र ने अंकिता के भीतर के एथलीट को जगाया। उन्होंने न केवल उन्हें ओलंपिक एसोसिएशन के 'वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स' के बारे में बताया, बल्कि उसमें शिरकत करने के लिए प्रेरित भी किया। फिर क्या था, इस जांबाज युवती ने ठान लिया कि अब तो पोडियम पर खड़े होना है। अंदाज लगाइए, वह कितना कठिन परिश्रम होगा। ब्रिटेन में आयोजित 2019 के वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में लंबी कूद व गोला फेंक प्रतिस्पर्द्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अंकिता ने भारत का नाम रोशन किया। अब एक बार फिर वह इसी 15 से 21 अप्रैल तक पर्थ में आयोजित वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स की विभिन्न स्पर्द्धाओं में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। तो दुआ कीजिए इस बेटी के लिए, यह वाकई हमारी दुआओं और तालियों की हकदार है!

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

विचार मंथन

सरकार और न्यायपालिका पर संविधान का अंकुश जरुरी

(लेखक-सनत कुमार जैन)

न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार करती है। इन दिनों कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। सरकार चाहती है, कि उसके इशारे पर कॉलेजियम काम करे।न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर सरकार जो निर्णय करे। कॉलेजियम उसे स्वीकार करे। जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की भूमिका नगण्य हो। सरकार की भूमिका सर्वोपरि हो।कॉलेजियम व्यवस्था आने के पहले सरकार न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति करती थी। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जजों की वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश और न्यायधीशों की नियुक्ति मनमाफिक तरीके से की थी। आपातकाल के बाद जब सरकार बदली, उसके बाद संविधान में संशोधन हुआ। जिसमें न्यायपालिका के अधिकारों को आपातकाल में भी बरकरार रखने का संशोधन किया गया। उसी के बाद जजों की नियुक्ति और उनकी पदोन्नति को लेकर, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की व्यवस्था दी। तब से कॉलेजियम की व्यवस्था चली आ रही है। कॉलेजियम के सदस्य, हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर वरिष्ठ वकीलों द्वारा की गई पैरवी की समीक्षा करते हैं। उनके बारे में सारी जानकारी एकत्रित करते हैं। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज सहमत होने पर, जज के नाम की अनुशंसा सरकार को करते हैं। कॉलेजियम की व्यवस्था में सरकार को यह अधिकार है,कि कालेजियम द्वारा जो अनुशंसा की गई है। उसके संबंध में पूरी जानकारी का अध्ययन करने के बाद यदि कोई असहमति है,तो उसे कॉलेजियम को पुनर्विचार के लिए सरकार वापिस भेजती है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम एक बार पुनः विचार करके अंतिम निर्णय लेती है। उस निर्णय का क्रियान्वयन करना सरकार की बाध्यता होती है। पिछले वर्षों में सरकार ने कॉलेजियम द्वारा की गई अनुशंसा काफी समय तक रोककर रखी है। जिसके कारण हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की वरिष्ठता गड़बडाने लगी है। संविधान ने न्यायपालिका को सभी संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज की निगरानी रखने और सत्ता निरपेक्ष रहकर नियंत्रण की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद को सर्वोच्च बनाते हुए संविधान को एक तरह से नकारने का बयान दिया है। निश्चित रूप से हर व्यवस्था मे आरोप-प्रत्यारोप लगते है। कॉलेजियम को समीक्षा और अनुशंसा करने का अधिकार है। वहीं सरकार को भी नियुक्ति के पूर्व पर्याप्त अवसर होता है। जब वह नियुक्त होने वाले जज के संबंध में सारी जानकारी एकत्रित कर सके। यदि नियुक्ति करने में कोई आपत्ति है, तो उससे कॉलेजियम को पुनर्विचार करने के लिए कह सकती है। इसका एक ही आशय है, कॉलेजियम और सरकार दोनों पर जिम्मेदारी और जवाबदेही का अंकुश लगा हुआ है। संसदीय लोकतंत्र में बहुमत के आधार पर बहुत सारे नियम कानून बन जाते हैं। राजनीति में रह रहे लोग चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए बहुत सारे नैतिक और अनैतिक निर्णय लेने के लिए मजबूर होते हैं। लेकिन न्यायपालिका पर इस तरहका कोई दबाव नहीं होता है। उसे संविधान और विधायिका द्वारा बनाए गए नियम कानून के अनुसार,निर्णय लेने होते हैं। जिसके कारण न्यायपालिका की साख और विश्वसनीयता आम जनता के बीच में बनी रहती है। सामाजिक बदलाव का असर समान रूप से सभी वर्गों में पड़ता है। निश्चित रूप से न्यायपालिका के ऊपर भी इसका असर पड़ा होगा। न्यायपालिका के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे हैं।सरकार के पास इसके नियंत्रण के बहुत सारे अधिकार हैं। सरकार के पास बहुत सारी जांच एजेंसियां भी है। जो नियुक्ति के पूर्व और नियुक्ति के पश्चात जानकारियां प्राप्त कर कार्यवाही कर सकती हैं। न्यायाधीशों को हटाने की शक्तियां भी संसद के पास होती हैं। कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर सरकार के मन में यदि सुधार के कुछ सुझाव हैं, तो उन सुझावों को कॉलेजियम की व्यवस्था में शामिल कराये जा सकते है। सरकार और कॉलेजियम के बीच विवाद समाप्त करना ही, राष्ट्र हित में होगा। विधायिका,कार्यपालिका और संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर न्यायपालिका का अंकुश होने पर ही सभी संवैधानिक संस्थाओं को नियंत्रित रखा जा सकता है। विधायिका अपने ऊपर कोई अंकुश नहीं चाहती है। ऐसी स्थिति में भारत का लोकतंत्र सुरक्षित भी नहीं रहेगा। चुनाव जीतने के लिए राजनैतिक दल नैतिक - अनैतिक कृत्य के दबाव में होते हैं। जिन देशों में लोकतंत्र नहीं है।

(शेयर बाजार समीक्षा) वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की दिशा

- बाजार की नजरें रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर भी होगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के पे रिणाम, वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख से इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। मंगलवार को महावीर जयंती और शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार के` विशेषज्ञों ने कहा` कि निवेशकों की निगाह एफपीआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के रुख पर रहेगी। एफपीआई अब शुद्ध खरीदार हो गए हैं। बाजार की नजरें रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर भी होगी। एमपीसी की बैठक के नतीजे छह अप्रैल को आएंगे। शनिवार को आए वाहन बिक्री के आंकड़े काफी अच्छे रहे हैं। मारुति सुजुकी, हुंदै और टाटा मोटर्स ने बीते वित्त वर्ष में अपनी सबसे ऊंची सालाना बिक्री दर्ज की है। बाजार के जानकारों के मुता बिक यह सप्ताह छुट्टियों वाला है। कई घटनाक्रमों तथा आंकड़ों की वजह से बाजार भागीदार व्यस्त रहेंगे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई के आंकड़े तीन और पांच अप्रैल को आएंगे। बाजार की नजर विशेष रूप से छह अप्रैल को आने वाली एमपीसी की बैठक के नतीजे पर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू कारकों के अलावा विदेशी कोषों का प्रवाह भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा। शुक्रवार को एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार भी सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। उन्होंने कहा` कि निवेशकों को एमपीसी की बैठक के नतीजों के साथ पीएमआई आंकड़ों का बेसब्री से इंतजार है। इसके अलावा अमेरिका के निजी उपभोग के आंकड़ों पर सभी की नजर रहेगी। इसके आधार पर ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक का भविष्य का रुख तय होगा।

भारत अब चीन के बाद चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है: चाय बोर्ड

कोलकाता । चाय उद्योग की नियामकीय संस्था भारतीय चाय बोर्ड ने कहा है कि छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) के उभरने से देश चाय उत्पादन बढ़ाने और घरेलू मांग के साथ निर्यात की जरूरतों को पूरा करने के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है। चाय बोर्ड ने कहा कि एसटीजी ने स्थानीय आर्थिक स्थिति और लोगों की आजीविका में सुधार लाने में भी मदद की है। भारत सालाना लगभग 140 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन करता है, जिसमें से एसटीजी का योगदान 50 प्रतिशत से भी अधिक है। चाय बोर्ड ने कहा कि मूल्य के लिहाज से भारत से चाय का निर्यात करीब 80 करोड़ डॉलर का है। बोर्ड ने कहा कि इसने वर्ष 2022 में लगभग 22 करोड़ किलोग्राम की मात्रा के साथ 15 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि हासिल की। देश अब चीन के बाद चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। चीन, केन्या और श्रीलंका के बाद भारत चाय का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश भी है। चाय उद्योग सबसे बड़े नियोक्ताओं में भी शामिल है। चाय बोर्ड के अनुसार एजेंसी ने खेती के रकबे, उत्पादन, उत्पादकता और घरेलू खपत के संदर्भ में उद्योग के विकास में मदद की है। चाय का उत्पादन देश के 15 राज्यों में फैला हुआ है जिनमें असम और पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं।

नई मिड साइज एसयूवी जुलाई तक होगी उपलब्ध

-गजब के फीचर्स से लैस है कार

नई दिल्ली। होंडा की नई मिड साइज की एसयूवी डोमेस्टिक मार्केट में जुलाई या अगस्त 2023 के आसपास सेल के लिए उपलब्ध होगी। मिडसाइज एसयूवी अत्यधिक प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर, वीडब्ल्यू टाइगुन, स्कोडा कुशक, एमजी एस्टर और अन्य के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेगी। इसे पहले से ही भारत में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है और 5वीं पीढ़ी के शहर के साथ कई समानताएं होंगी, जिसे हाल ही में एक हल्का अपडेट मिला है।अधिक कठोर उत्सर्जन मानकों के आगमन के कारण होंडा वर्तमान में भारत में केवल सिटी और अमेज बेचती है और आने वाली मिड साइज की एसयूवी अपने मंथली वॉल्यूम को बढ़ाने के लिए बहुत अधिक महत्व रखेगी।स्पाई इमेज को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि 5-सीटर विदेशों में बेचे जाने वाले लेटेस्ट डब्ल्यूआर-वी और अन्य ग्लोबल एसयूवी से इंस्पायर्ड डिजाइन के साथ आते हैं। बाहरी हिस्से में सीआर-वी की तरह तेज एलईडी हेडलैंप, रैपराउंड एलईडी टेल लैंप, स्पोर्टी एलॉय व्हील और प्रमुख फ्रंट और रियर बंपर होंगे।इसकी कुल लंबाई करीब 4.3 मीटर होगी।यह लेटेस्ट सिटी मिडसाइज सेडान के समान प्लेटफॉर्म पर बैठेगी।किसी भी डीजल इंजन की अनुपस्थिति का मतलब था कि होंडा मिडसाइज एसयूवी में आई-डीटीईसी तकनीक नहीं होगी।टॉप-स्पेक मॉडल अडास आधारित ड्राइवर सहायक और सुरक्षा तकनीकों के साथ आ सकते हैं, जबकि सुविधाओं की सूची में वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राएड ऑटो कंपैटिबिलिटी , 6 एयरबैग, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, इलेक्ट्रिक सनरूफ, एक सेमी-डिजिटल के साथ एक बड़ी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा। 121एचपी का अधिकतम पावर आउटपुट विकसित करने वाला परिचित 1.5रुचार-सिलेंडर एनए पेट्रोल इंजन पेश किया जाएगा।इसे सिक्स-स्पीड एमटी या सीवीटी ऑटो से जोड़ा जाएगा।1.5 लीटर का स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पेट्रोल इंजन भी उपलब्ध होगा, जिसे ई-सीवीटी के साथ जोड़ा जाएगा, लेकिन इसे तुरंत बेचा जाएगा या नहीं इस बारे में कोई खबर नहीं है।

जीईएम से वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ की खरीद: गोयल

मुंबई । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकारी खरीद के ऑनलाइन मंच जीईएम से माल एवं सेवाओं की खरीद ने वित्त वर्ष 2022-23 में दो लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया जिसमें महिला उद्यमियों, एमएसएमई और स्टार्टअप की प्रमुख सहभागिता रही। गोयल ने कहा कि जीईएम के माध्यम से 12 महीने के अंदर दो लाख करोड़ रुपए की सरकारी खरीद होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को दर्शाती है। प्रधानमंत्री का इस पर पूरा जोर है कि सरकार को उच्चतम स्तर की ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ चलना चाहिए। गोयल ने कहा कि यह सरकारी खरीद चक्र में पूरे देश की भागीदारी और निष्पक्ष व न्यायसंगत तरीके से भाग लेने के लिए महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और एमएसएमई की क्षमता से स्पष्ट है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि जीईएम तेजी से बढ़ेगा लिहाजा सरकारी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अधिक से अधिक विक्रेताओं को इस खरीद मंच से जुड़ना चाहिए। जीईएम ने वित्त वर्ष 2022-23 में 31 मार्च, 2023 तक दो लाख करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) हासिल किया है। संयुक्त रूप से जीईएम ने स्थापना के बाद से अपने हितधारकों के सहयोग के साथ 3.9 लाख करोड़ जीएमवी का आंकड़ा पार कर लिया है और जीईएम पर लेनदेन की कुल संख्या भी 1.47 करोड़ के पार हो गई है। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विभिन्न खरीद जरूरतों को पूरा कर रहा है। इस खरीद पोर्टल पर 11,700 उत्पाद श्रेणियों के 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ-साथ 280 सेवा श्रेणियों में 2.8 लाख सेवाएं हैं।

मारुति सुजुकी, हुंदै, टाटा मोटर्स की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

- वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू यात्री वाहन उद्योग ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया

मुंबई ।

देश की प्रमुख वाहन बनाने वाली कंपे नियों मारुति सुजुकी, हुंदै और टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपनी सर्वश्रेष्ठ घरेलू थोक बिक्री दर्ज की जिसके दम पर घरेलू यात्री वाहन उद्योग ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने 2022-23 में 19 प्रतिशत वृद्धि के साथ अभी तक की सर्वाधिक 19,66,164 इकाई की बिक्री दर्ज की, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 16,52,653 इकाई था। मारुति ने समाप्त वित्त वर्ष में घरेलू बाजार में 17,06,831 इकाइयों की थोक आपूर्ति की जो 2021-22 में 14,14,277 इकाई के आंकड़े से 21 प्रतिशत अधिक है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में उसकी कुल बिक्री 7,20,565 इकाई रही, जो 2021-22 के 6,10,760 इकाई से 18 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के मुताबिक, भारत में परिचालन शुरू करने के बाद उसका एक वित्त वर्ष में यह सर्वाधिक बिक्री आंकड़ा है। कंपनी ने 2022-23 में घरेलू स्तर पर विक्रेताओं को 5,67,546 इकाइयां भेजीं, जो 2021-22 में भेजी गईं 4,81,500 इकाइयों से 18 प्रतिशत ज्यादा हैं।

टाटा मोटर्स की वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल घरेलू बिक्री 9,31,957 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2021-22 के 6,92,554 इकाई की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। इस वित्त वर्ष में टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 3,70,372 इकाई से 45 प्रतिशत बढ़कर अभी तक सर्वाधिक 5,38,640 इकाई हो गई। किआ इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में 44 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,69,229 इकाइयां बेचीं, जबकि 2021-22 में कंपनी ने 1,86,787 इकाइयां बेची थीं। जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में कंपनी की वाहन उद्योग क्षेत्र में अभी तक की सर्वाधिक 7.4 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की वित्त वर्ष 2022-23 में थोक बिक्री 41 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,74,015 इकाई रही जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में उसने 1,23,770 इकाइयों की बिक्री की थी।

कच्चा तेल स्थिर,कुछ राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 75.67 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 79.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। भारत में हर सुबह 6 ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। रविवार को गुजरात में पेट्रोल की कीमत 63 पैसे गिरकर 96.49 रुपए हो गई है। यहां डीजल 64 पैसे की गिरावट के साथ 92.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 29 पैसे गिरकर क्रमशः 106.21 और 92.73 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट दिख रही है। वहीं बिहार में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 17 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर है।

सेबी ने जेडईईएल इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में तीन लोगों पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई ।

सेबी ने ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयर में इनसाइडर ट्रेडिंग से संबंधित एक मामले में तीन लोगों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सेबी ने प्रतिबंधित किए गए बिजल शाह, गोपाल रितोलिया और जतिन चावला पर 90 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। उन्हें 45 दिनों के अंदर जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। मार्केट रेगुलेटर ने रितोलिया और चावला को गैरकानूनी ढंग से अर्जित क्रमशः 7.52 करोड़ रुपए और 2.09 करोड़ रुपए ब्याज समेत लौटाने का निर्देश भी दिया है। यह मामला जेडईईएल के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग से संबंधित है। सेबी ने एक बयान में कहा कि जेडईईएल में वित्तीय योजना और विश्लेषण, रणनीति एवं निवेशक संबंध के तत्कालीन प्रमुख बिजल शाह की अप्रकाशित संवेदनशील सूचना तक पहुंच थी। उसने यह जानकारी रितोलिया और चावला को दे दी जिसका इस्तेमाल कर दोनों ने क्रमशः 7.52 करोड़ और 2.09 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। सेबी के अनुसार शाह को इनसाइडर ट्रेडिंग का जिम्मेदार नहीं माना गया लेकिन उसने संवेदनशील सूचना रितोलिया और चावला तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका निभाई, जिसके कारण संबंधित नियमों का उल्लंघन हुआ।

अडानी ग्रुप ने 1,485 करोड़ में किया कराईकल पोर्ट का अधिग्रहण

मुंबई ।

अडानी ग्रुप ने एक और बंदरगाह को खरीद लिया है। अडानी पोर्ट और स्पेशल इकोनामिक जोन लिमिटेड ने कहा कि नेशनल ला ट्रिब्यूनल के अप्रूवल मिलने के बाद कराईकल पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण किया गया है। कंपनी ने कहा कि डील पूरी की जा चुकी है। कराईकल पोर्ट के अधिग्रहण से पहले अडानी पोर्ट और स्पेशल इकोनामिक जोन लिमिटेड को केपीपीएल की कारपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तौर पर माना जाता था। भारत के पुडुचेरी में स्थित कराईकल पोर्ट एक बड़े आकार और सभी मौसम, गहरे पानी वाला बंदगाह है। इसमें पांच फंक्शनल बर्थ, तीन रेलवे सिडिंग्स, 600 हेक्टेयर की जमीन और 21.5 मिलियन मिट्रिक टन की कार्गो हैंडिलिंग क्षमता है। अडानी पोर्ट की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि कराईकल पोर्ट के अधिग्रहण की डील 1,485 करोड़ रुपए में की गई है। बयान के मुताबिक, बंदरगाह तमिलनाडु के कंटेनर वाली कार्गो बेस्ड औद्योगिक केंद्रों और आगामी 9 एमएमटीपीए सीपीसीएल रिफाइनरी के पास है। अडानी पोर्ट के सीईओ करण अडानी ने कहा कि कराईकल बंदरगाह के खरीदारी के साथ ही अब अडानी ग्रुप देशभर में 14 बंदरगाह को चला रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के लिए रसद लागत को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे के लिए समय के साथ 850 करोड़ खर्च करेगा। कंपनी का प्लान अगले पांच साल के दौरान पोर्ट की क्षमता हो दोगुना करने की है। बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल जिले में स्थित है और इसकी स्थापना 2009 में हुई थी और यह चेन्नई से लगभग 300 किमी दक्षिण में स्थित है, जो एक बड़ा बंदरगाह है। वहीं अडानी ग्रुप देश को सबसे बड़ी प्राइवेट और रसद कंपनी है।

पाकिस्तान सरकार की मुद्रास्फीति में वृद्धि, आर्थिक मंदी का अनुमान: रिपोर्ट

मुंबई ।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की सरकार ने देश में और ज्यादा मुद्रास्फीति के साथ-साथ आर्थिक मंदी आने की चेतावनी जारी की है। एक समाचारपत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने दिन-ब-दिन बदतर होती आर्थिक स्थिति के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ महत्वपूर्ण समझौते में देरी को जिम्मेदार ठहराया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि राजनीतिक अस्थिरता ने मजबूत मुद्रास्फीति की सें भावनाओं को बढ़ाना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था के प्रति एक निराशाजनक दृष्टिकोण चित्रित करते हुए कहा कि मासिक आर्थिक संकेतक और धीमा हो गया है। इस उपकरण की मदद से पिछले और वर्तमान संकेतकों के आधार पर आर्थिक विकास दर की भविष्यवाणी की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार फरवरी की तरह मार्च में भी मुद्रास्फीति ऊपरी दायरे में रह सकता है। उसने हालांकि आकड़ा नहीं दिया लेकिन नकारात्मक कदमों के कारण बाजार में मुद्रास्फीति के 36 प्रतिशत तक पहुंचने की आशंका है। वित्त मंत्रालय के एक रूढ़िवादी आंतरिक आकलन ने मार्च में लगभग 34 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर का आकलन किया। मंत्रालय ने कहा कि बढ़ती मुद्रास्फीति का एक संभावित कारण राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि आर्थिक संकट बढ़ने के पीछे अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से 1.1 अरब डॉलर के राहत पैकेज की मंजूरी में देरी भी कारक है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) की नीतियां भी मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही हैं। मासिक रिपोर्ट में कहा गया कि रमजान के दौरान थोक में खरीद से मांग-आपूर्ति में अंतर हो गया है जिससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो गई है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से 9 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.34 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,34,097.42 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। गुरुवार को रामनवमी पर बाजार में अवकाश था। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 86,317.26 करोड़ रुपए बढ़कर 15,77,092.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार मूल्यांकन में 30,864.1 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 11,73,018.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 26,782.76 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 8,98,199.09 करोड़ रुपए और इन्फोसिस की 19,601.95 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,92,289.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण 18,385.55 करोड़ रुपए बढ़कर 6,01,201.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 17,644.35 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 6,12,532.60 करोड़ रुपए रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 16,153.55 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,67,381.93 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी का मूल्यांकन 12,155.78 करोड़ रुपए बढ़कर 4,82,001.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,192.12 करोड़ रुपए चढ़कर 4,76,552.34 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसके विपरीत भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 7,387.05 करोड़ रुपए घटकर 4,17,577.59 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

दोहरे जोखिम का सामना कर रहे एप्पल कैमरा लेंस आपूर्तिकर्ता

सैन फ्रांसिस्को ।

एप्पल कैमरा लेंस के आपूर्तिकर्ता इन दिनों कथित तौर पर दो जोखिमों का सामना कर रहे हैं। एक तो उच्च इन्वेंट्री स्तर के कारण इस साल की दूसरी तिमाही उम्मीद से कमजोर है, और आपूर्तिकर्ता पेरिस्कोप कैमरा लेंस से लाभ प्राप्त करने में असमर्थ हैं। एप्पल के विश्लेषक मिंग-ची कू ने गुरुवार को ट्वीट किया, एप्पल कैमरा लेंस आपूर्तिकर्ताओं को दो जोखिमों का सामना करना पड़ता है। उच्च इन्वेंट्री स्तर उम्मीद से कमजोर 23 की दूसरी तिमाही और आपूर्तिकर्ता पेरिस्कोप कैमरा लेंस से लाभ उठाने में असमर्थ हैं। 2020 की शुरुआत से, जब कुओ ने पहली बार संभावना का उल्लेख किया था, आईफोन के पेरिस्कोप कैमरा लेंस प्राप्त करने के बारे में अफवाहें फैल रही हैं। शुरुआत में अनुमान लगाया था कि आईफोन 14 प्रो में एक पेरिस्कोप लेंस शामिल किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कुओ ने कहा है कि ऐसा लेंस केवल आईफोन 15 प्रो मैक्स में उपलब्ध होगा। कुओ ने कहा, आईफोन 14 प्रो/प्रो मैक्स के लिए मैंने पहले जिस कंपोनेंट/लेंस इन्वेंट्री रिस्क की भविष्यवाणी की थी, वह अब हो रहा है। स्मार्टफोन कैमरा लेंस की दुनिया की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता ताइवानी कंपनी लार्गन के इस साल के आईफोन 15 प्रो मैक्स पेरिस्कोप कैमरे के लिए एकमात्र लेंस आपूर्तिकर्ता होने की उम्मीद है। इसके अलावा, कुओ ने अनुमान लगाया कि जिस बिंदु पर घटक की कीमत और भी कम होगी, एप्पल आपूर्तिकर्ता आईफोन 16 के लिए पेरिस्कोप लेंस की आपूर्ति शुरू कर देगा। इस प्रकार लेंस आपूर्तिकर्ताओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यही वजह है कि इन दो जोखिमों का सामना करने के लिए एप्पल तैयार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल : सीएसके अपने घरेलू मैदान पर सुपर किंग्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

चेन्नई (एजेंसी)। महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर लोकेश राहुल की लखनऊ सुपर जायंटस को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी अपनी पहली जीत दर्ज करने उतरेगी। सीएसके को अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा था। टीम को सुपर जायंटस के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है क्योंकि सीएसके अपने घरेलू मैदान और दर्शकों के सामने खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलना तय है। सीएसके चार साल बाद इस मैदान पर खेलेगी जिससे भी प्रशंसक उत्साहित हैं। सीएसके की टीम ने पहले मैच में भी अच्छा खेला था। उसके बल्लेबाज

रूतुराज गायकवाड़ अच्छी लय में हैं। रूतुराज ने गुजरात के खिलाफ शानदार पारी खेली थी। इस मैच में सीएके के प्रशंसकों को अन्य बल्लेबाजों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी अपने को साबित करना चाहेंगे। टी ने उन्हें 16 करोड़ से अधिक की मोटी रकम देकर खरीदा है।

इस मैच में सीएसके के बल्लेबाजों पर बीच के ओवरों में तेज गति से रन बनाने और गेंदबाजी बेहतर करने का दबाव रहेगा जो वह पहले मैच में नहीं कर पाये थे। चेन्नई के लिए राहत की बात यह है कि ये मैच एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर हो रहा है जहां स्पिनर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल में यहां खेले गए तीसरे एकदिवसीय में भी स्पिनर यहां सफल रहे थे। ऐसे में स्पिन जडेजा और मिशेल सेंटनेर यहां अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में सीएकसे एक और स्पिनर भी शामिल कर सकती है।

श्रीलंका के महीश तीक्षणा पहले तीन मैचों के लिये उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में देखना होगा कि धोनी किसे अवसर देते हैं। वहीं दूसरी ओर राहुल की अगुवाई वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स ने गत दिवस अपने पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स पर बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद रहेंगे। सुपर जाइंट्स की ओर से काइल मायर्स ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी जबकि मार्क वुड ने पांच विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाजी में मायर्स के अलावा कप्तान राहुल, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के प्रदर्शन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। लखनऊ की ओर से पहले मैच में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मार्क वुड इस मैच में भी सीएसके के बल्लेबाजों को निशाना बना सकते हैं। वुड ने पहले मैच में कैपिटल्स की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया था। स्पिनर के तौर पर कृष्णप्पा गौतम और रवि बिश्नोई हैं। कृष्णप्पा ने पहले मैच में इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर अपने को साबित किया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपरकिंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडु, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथिसा पथिराना, महीश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

लखनऊ सुपर जायंटस : लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के फाइनल में हारी पीवी सिंधु

मैड्रिड (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधू रविवार को यहां मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से सीधे गेम में हार गई। चोट के कारण पांच महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने पर शुरुआती दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रहने के कारण पिछले मंगलवार को शीर्ष 10 से बाहर होने वाली सिंधू फाइनल में किसी भी समय लय में नहीं दिखी और विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी तुनजुंग से 8-21, 8-21 से हार गई।

इस फाइनल से पहले सिंधू का इंडोनेशिया की 23 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-0 था लेकिन वह मैच में दबदबा बनाने में असफल रही और इस तरह से पिछले आठ महीनों में पहला खिताब जीतने का उनका सपना चकनाचूर हो गया। कुल मिलाकर सिंधू के लिए यह टूर्नामेंट अच्छा रहा। उन्होंने फाइनल से पहले तक एक भी गेम नहीं गवाया था। कोरिया के पार्क ताइ सुंग के हटने के बाद सिंधू की कोच अभी विधि चौधरी है।

युजवेंद्र चहल ने रचा इतिहास, बना दिए 3 बड़े रिकॉर्ड

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 203 रन बना दिए। जवाब में हैदराबाद की टीम उतरी तो उनके बल्लेबाजों पर लगाम कसने के लिए राजस्थान के गेंदबाजों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इस बीच चहल ने हैरी ब्रूक का शिकार किया और 3 खास रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया।

रचा इतिहास

दरअसल, पारी के 7वें ओवर की आखिरी गेंद पर ब्रूक का शिकार कर टी20 क्रिकेट में अपना 300वां विकेट हासिल किया और प्रारूप में उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। भारतीय लेग स्पिनर ने टी20 में 265 मैच खेले हैं और अब तक 301 विकेट ले चुके हैं।

बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी राजस्थान का धमाका, हैदराबाद को 72 रनों से दी मात

हैदराबाद (एजेंसी)। जॉस बटलर (54), यशस्वी जायसवाल (54) और संजू सैमसन (55) के आतिशी अर्द्धशतकों के बाद युज़वेंद्र चहल (17/4) की दर्शनीय गेंदबाजी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 72 रन से मात दी। गत उपविजेता रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 203 रन बनाये। इसके जवाब में सनराइजर्स 131 रन तक ही पहुंच सका। पिछले आईपीएल के शीर्ष स्कोरर रहे बटलर की बल्लेबाजी में रत्ती भर बदलाव नहीं आया और उन्होंने 22 गेंद पर सात चौकों एवं तीन छक्कों के साथ 54 रन बनाये।

जायसवाल ने 54 (37) जबकि सैमसन ने 55 (32) रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिये और मेज़बान टीम इसके बाद वापसी नहीं कर सकी। चहल ने रॉयल्स के लिये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की और चार ओवर में 17 रन के बदले चार विकेट लेकर सनराइजर्स की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी लेकिन राजस्थान के बल्लेबाजों का पहली गेंद से ही बोलबाला रहा। सलामी बल्लेबाज बटलर और जायसवाल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिये 35 गेंद में 85 रन जोड़ लिये। यह पावरप्ले में रॉयल्स का सबसे बड़ा स्कोर है।

बटलर ने इसमें 22 गेंद पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ 54 रन का योगदान दिया। फ़ज़लहक़ फ़ारुक़ी ने पावरप्ले समाप्त होने से पहले बटलर को पवेलियन लौटा दिया, लेकिन सनराइजर्स को इसके बाद सैमसन और जायसवाल के प्रहार का सामना करना पड़ा। सैमसन-जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिये 54 रन की साझेदारी की। जायसवाल ने 34 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया, हालांकि वह भी 54 रन बनाकर फ़ारुक़ी का शिकार हो गये। जायसवाल के आउट होने के बाद सनराइजर्स विपक्षी टीम की रनगति पर कुछ हद तक लगाम कसने में सफल रहा। उमरान मलिक ने देवदत्त पडिक्कल को दो रन पर बोल्ड किया, जबकि रियान पराग सात रन बनाकर टी नटराजन का शिकार हो गये।

मियामी ओपन : क्वितोवा ने रिबाकिना को हराकर खिताब जीता

मियामी गार्डन्स। बारहवीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 7 . 6, 6 . 2 से हराकर मियामी ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया। चेक गणराज्य की 33 वर्ष की क्वितोवा ने अपने से दस साल छोटी रिबाकिना के 13 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाई और उसे लगातार दूसरा खिताब नहीं जीतने दिया। रिबाकिना ने हाल ही में इंडियन वेल्स में भी खिताबी जीत दर्ज की थी। पुरूष एकल फाइनल में जानिक सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव से होगा। सिनेर ने गत चैम्पियन कार्लोस अलकाराज को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। पुरूष युगल फाइनल में सैंटियागो गोंजालेस और एडुअर्ड रोजर वेसलीन ने आस्टिन क्राइसेक और निकोलस माहूत को 7 .6, 7 .5 से हराया।

नीता अम्बानी कल्चरल सेंटर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए बुमराह और उनकी पत्नी

मुम्बई। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की सर्जरी के कारण आजकल टीम से बाहर हैं। बुमराह की न्यूजीलैंड में सर्जरी हुई थी जिससे अब वह उबर रहे हैं। इस कारण वह आईपीएल से भी बाहर हैं। क्रिकेट से दूर बुमराह इसी बीच अपनी पत्नी संजना गणेशन के साथ एक कार्यक्रम में शामिल हुए। मुम्बई इंडियंस की प्रमुख नीता अम्बानी ने अपने कल्चरल सेंटर का उद्घाटन किया था। इस समारोह में कई दिग्गज हस्तियों के बीच ही बुमराह और उनकी पत्नी भी नजर आये। नीता के शो में आने से प्रशंसकों ने उन्हें जमकर ट्रोल किया। बुमराह के अलावा सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इसी बीच प्रशंसकों ने बुमराह की तस्वीर वायरल होते ही उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। प्रशंसकों ने अब उनकी चोट पर ही सवाल उठाये हैं। बुमराह के नहीं होने से मुंबई इंडियंस की टीम को करार झटका लगा है। मुंबई की टीम ने इस सीजन में बुमराह की जगह संदीप वॉरियर्स को शामिल किया है। बुमराह ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से सितंबर में खेला था। इसके बाद से ही वह फिट नहीं होने के कारण एशिया कप और ट्वेंटी-20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे। बुमरार के जून में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

श्रीलंका ने सुपर ओवर में न्यूजीलैंड को हराकर सीरीज में हासिल की बढ़त

आकलैंड (एजेंसी)। श्रीलंका ने पहले ही टी20 मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को सुपर ओवर में हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान टीम के ईश सोढी ने 20वें ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया था। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 196 रन बनाए। इसके बाद न्यूजीलैंड को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। ऐसे में सोढी ने अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर मैच को बराबरी पर लाने के साथ ही टाइब्रेकर में पहुंचा दिया।

सुपर ओवर में न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिशेल, जिम्मी नीशाम और मार्क चैपमैन जबकि श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा ने गेंदबाजी की। मिशेल ने पहली गेंद पर ही एक रन ले लिया। वहीं दूसरी गेंद वाइड थी और तीसरी गेंद पर नीशाम पेवेलियन लौट गए। चैपमैन ने दो रन बनाने के बाद चौका लगाया पर अंतिम गेंद पर वह पेवेलियन लौट गये।

वहीं इसके बाद श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस और चरित असालांका बल्लेबाजी के लिए उतरे जबकि मेजबान टीम की ओर से गेंदबाजी जिम्मी नीशाम ने संभाली। इसमें पहली ही गेंद पर एक रन बना और दूसरी गेंद पर असालांका ने छक्का लगा दिया। इसके बाद चौका लगाकर उन्होंने श्रीलंका को जीत दिला दी।

मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को हराया, फिर बढा दोनों टीमों में तनाव

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के अहम मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल को 4 . 1 से हरा दिया लेकिन दोनों टीमों के बीच एक बार फिर तनाव देखने को मिला। प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज सिटी के प्रशंसकों पर लिवरपूल ने टीम बस पर हमला करने और नफरत भरे नारे लगाने का आरोप लगाया। सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला भी लिवरपूल के सब्स्टीट्यूट कोस्टास सिमिकास और आर्थर मेलो के सामने आक्रामक तरीके से जीत का जश्न मनाते नजर आये। उन्हें इसके लिये माफी मांगनी पड़ी। एक अन्य मैच में आर्सनल ने लीड्स को 4 . 1 से हराकर शीर्ष पर अपनी जगह पुख्ता करके आठ अंक की बढत बना ली। उसने हालांकि सिटी से एक मैच अधिक खेला है। लिवरपूल चौथे स्थान पर काबिज टोटेनहम से सात अंक पीछे है।

हार्दिक पंड्या ने बताया भारतीय टीम का नया युवा खिलाड़ी कौन होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2023 के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के ऋतुराज गायकवाड़ ने 92 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। हालांकि सीएसके को मैच में हार मिली, लेकिन गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या ने उनकी जबर्दस्त पंड्या ने कहा कि गायकवाड़ ने कुछ इसतरह के शॉट खेले, जो बेहतरीन थे। वह अगर इसतरह ही खेलता रहा, तब भारतीय क्रिकेट के लिए कमाल करेगा। समय आने पर भारतीय क्रिकेट टीम उसके साथ होगी। जुलाई 2021 में डेब्यू के बाद से गायकवाड़ ने 9 टी20 इंटरनेशनल मैच में 135 रन बनाए हैं। हालांकि यह प्रदर्शन औसत ही रहा है। पिछले दिनों उन्होंने लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्राफी में दोहरा शतक भी ठोका। इस दौरान उन्होंने एक ही ओवर में 7 छक्के भी लगाए थे। पंड्या का यह बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि इस साल घर में ही अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप के मुकाबले होने हैं।

पंड्या ने कहा कि हमें पता है कि वह कितना शानदार खिलाड़ी है। एक समय लग रहा था कि चेन्नई 220 या 230 रन बना लेगी। हमें उस गेंदबाजी करने में दिक्कत हो रही थी। टीम के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा कि मेरे और शुभमन गिल के विकेट गिरने के बाद हम परेशानी में आ गए थे, लेकिन राहुल तेवतिया ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की और राशिद ने दिखा दिया कि वह क्या कर सकता है। राशिद गेंद और बल्ले दोनों से टीम की ओर से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

शुभमन गिल और रुतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी से प्रभावित दिखे पूर्व खिलाड़ी

-गिल से 600 रन का सीजन देखने को मिल सकता

मुंबई। गत चैंपियन गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स पर पांच विकेट से जीत दर्ज कर आईपीएल 2023 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। चेन्नई के लिए रुतुराज गायकवाड़ ने पहली पारी में सनसनीखेज बल्लेबाजी कर 92 रन (50 गेंदों पर 4 चौके और 9 छक्के) बनाकर चेन्नई को 178 का स्कोर बनाने में मदद की। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने खिलाड़ी शुभमन गिल के 63 रन के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने आराम से कुल स्कोर का पीछा किया। गुजरात के राशिद खान अपने हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने मोइन अली और बेन स्टोक्स के अहम विकेट चटकाए और सिर्फ तीन गेंदों पर 10 रन भी बनाए। सीएसके के बल्लेबाज गायकवाड़ ने बल्ले से तूफानी प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन बार टाइटंस के खिलाफ खेला है, और 3 पारियों में 218 रन बनाए हैं, जिसमें हर खेल में एक अर्धशतक भी शामिल है। पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने गायकवाड़ के बल्लेबाजी प्रदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा था कि गायकवाड़ अन्य बल्लेबाजों की तुलना में एक अलग विकेट पर बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने जिस दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया वह बेहद सराहनीय है। अनिल कुंबले को गायकवाड़ को बल्लेबाजी करते हुए 9 छक्के लगाते देखना अच्छा लगा। उन्होंने कहा, हम उन्हें छक्के मारने से नहीं जोड़ते हैं, लेकिन एक पारी में 9 छक्के मारना वास्तव में आश्चर्यजनक है। साफ, यह वास्तव में साफ लग रहा था। ऐसा नहीं था कि वह आकार से बाहर जा रहे थे और इस पेश करने की कोशिश कर रहा है, बस शुद्ध समय। पटेल ने भी गुजरात की जीत की सराहना कर कहा कि गिल एक बड़े स्कोरिंग सीजन के साथ अंत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से गुजरात टाइटन्स ने पीछा करना शुरू किया। हमने देखा कि रिद्धिमान साहा को पहले छह ओवरों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने का लाइसेंस मिल गया था, जितना वह कर सकते थे। इस विकेट पर, लक्ष्य बराबर से नीचे था इसलिए एक मजबूत शुरुआत जरूरी है। मुझे लगता है कि गुजरात टाइटन्स ने इस हासिल कर लिया और गति बनाए रखी। गिल ने वहीं किया जो हम जानते हैं कि गिल कर सकते हैं और अपने अंतरराष्ट्रीय फॉर्म को आईपीएल में आगे बढ़ाया। हमें शुभमन गिल से 600 रन का सीजन देखने को मिल सकता है।

बेहतरीन शख्सियत वाले हरदिलअजीज क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का निधन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सिनेमा के नायक की तरह आकर्षक, खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी और प्रशंसकों की मांग पर छक्का जड़ने के लिए जाने जाने वाले 1960 के दशक के दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का रविवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उनके परिवार के निकट सूत्रों ने उनकी निधन की सूचना की पुष्टि की। सलीम दुर्रानी अपने छोटे भाई जहांगीर दुर्रानी के साथ गुजरात के जामनगर में रह रहे थे। उनका इस साल जनवरी में जांघ की हड्डी टूट जाने के बाद ऑपरेशन हुआ था। काबुल में जन्मे दुर्रानी न केवल अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, बल्कि वह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज भी थे। उन्होंने 29 टेस्ट मैच खेले।

दुर्रानी ने 1961-62 में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2-0 से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कलकत्ता और मद्रास टेस्ट में क्रमशः आठ और दस विकेट लिये थे। अपने कपड़ों, शैली और अंदाज के लिये अलग पहचान बनाने वाले दुर्रानी ने भारत के लिये खेलते हुए 1202 रन बनाये जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल है। इंग्लैंड पर मिली जीत के एक दशक बाद पोर्ट आफ स्पेन में वेस्टइंडीज पर भारत की जीत में उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने क्लाइव लॉयड और गैरी सोबर्स दोनों के विकेट लिये थे।

उन्होंने 1973 में हिन्दी फिल्म चरित्र में परवीन बॉबी के साथ काम किया था। दुर्रानी ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ साठ के दशक की शुरूआत में मुंबई में टेस्ट क्रिकेट मेंपदार्पण किया और आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 1973 में ब्रेबोर्न स्टेडियम पर ही खेला। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 33 . 37 की औसत से 8545 रन बनाये जिसमें 14 शतक शामिल थे। किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में माहिर दुर्रानी अर्जुन पुरस्कार पाने वाले पहले क्रिकेटर थे। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने गुजरात, राजस्थान और सौराष्ट्र के लिये खेला।

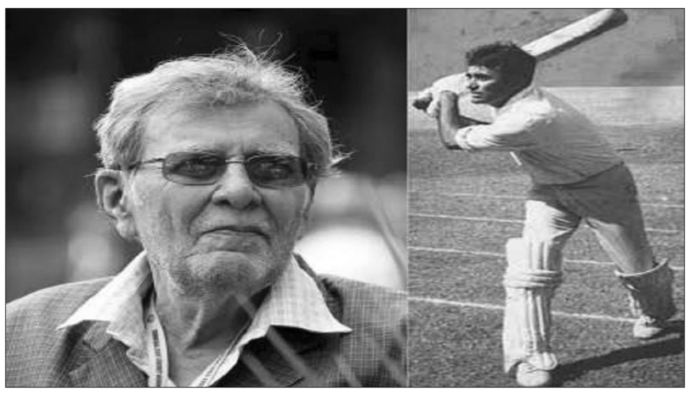

प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्रानी के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व क्रिकेट सलीम दुर्रानी के निधन पर शोक जताया है। दुर्रानी का रविवार सुबह कैंसर से निधन हो गया था। वह 88 के थे और कैंसर से पीड़ित थे। दुर्रानी भारतीय टीम के नामी ऑलराउंडर रहे हैं। इसके साथ ही वह एक अच्छे स्पिनर भी थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट कर दुर्रानी के परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, सलीम दुरानी जी क्रिकेट के दिग्गज थे, अपने आप में एक लीजेंड थे। उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में भारत के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैदान के अंदर और बाहर वो अपने अंदाज के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से काफी दुखी हूं। उनके परिवार और मित्रों के लिए संवेदनाएं। उनकी आत्मा को शांति मिलें।

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं.महावीर का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था.वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे.भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया.

ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैंग्रह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए. उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है.

भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो.इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

कैवल्य ज्ञान का मार्ग महावीर

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्मचैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज 'श्री सिद्धार्थ' और माता 'त्रिशिला देवी' के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को 'महावीर जयन्ती' के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

महावीर का मार्ग पूर्णत: स्पष्ट और कैवल्य ज्ञान प्राप्त करने का मार्ग है। यह राजपथ है। उनके उपदेश हमारे जीवन में किसी भी तरह के विरोधाभास को नहीं रहने देते। जीवन में विरोधाभास या द्वंद्व है तो फिर आप कहीं भी नहीं पहुँच सकते। भगवान महावीर को समझने के लिए कैवल्य ज्ञान प्राप्त करना होगा। समुद्र को जानने के लिए समुद्र में डूबना होगा। महावीर की गहराई को फिर भी कोई छू नहीं सकता। धरती पर कुछ गिने-चुने ही महापुरुष हुए हैं। उनमें महावीर ध्यानियों में ऐसे हैं जैसे सागरों में प्रशांत महासागर। महावीर का जीवन, दर्शन या तप कुछ भी रहा हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुख्य बात यह कि उन्होंने 'कैवल्य ज्ञान' की जिस ऊँचाई को छुआ था वह अवर्णीय है। वह अंतरिक्ष के उस सन्नाटे की तरह है जिसमें किसी भी पदार्थ की उपस्थिति नहीं हो सकती। जहाँ न ध्वनि है और न ही ऊर्जा। केवल शुद्ध आत्मतत्व।

महावीर का जीवन : : भगवान महावीर तीर्थंकरों की कड़ी के अंतिम तीर्थंकर हैं। उनका जन्म नाम वर्धमान है। राजकुमार वर्धमान के माता-पिता श्रमण धर्म के पार्श्वनाथ सम्प्रदाय से थे। महावीर से 250 वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए थे।

भगवान महावीर का जन्म 599 ईपू.अर्थात 2614 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडलपुर के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ के यहाँ हुआ। उनकी माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटकी की पुत्री थीं। भगवान महावीर ने सिद्धार्थ-त्रिशला की तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल की तेरस को जन्म लिया।

महावीर की शिक्षा : वर्धमान के बड़े भाई का नाम

नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्धमान का बचपन राजमहल में बीता। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया।

विवाह मतभेद : श्वेताम्बर संघ की मान्यता है कि वर्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा या अनवद्या। जबकि दिगम्बर संघ की मान्यता है कि उनका विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे।

श्रामणी दीक्षा : महावीर की उम्र जब 28 वर्ष थी, तब उनके माता-पिता का देहान्त हो गया। बड़े भाई नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्धमान ने श्रमण परंपरा में श्रामणी दीक्षा ले ली। वे 'समण' बन गए। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते।

कैवल्य ज्ञान : भगवान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या तथा गहन ध्यान किया। अन्त में उन्हें 'कैवल्य ज्ञान' प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए शिक्षा देना शुरू की। अर्धमगधी भाषा में वे प्रवचन करने लगे, क्योंकि उस काल में आम जनता की यही भाषा थी।

महावीर का तत्वज्ञान : ब्रह्मांड में दो ही तत्व हैं जीव और अजीव अर्थात जड़ और चेतन। दोनों एक दूसरे से परस्पर बद्ध हैं। इस बद्धता को ही कर्माश्रव व कर्मबंध कहते हैं। चेतन का जड़ के इस बंधन से मुक्त होना ही कैवल्य ज्ञान और पूर्ण मुक्त हो जाना निर्वाण है। इसके अलावा अनेकांतवाद अर्थात वास्तववादी और सापेक्षतावादी बहुत्ववाद सिद्धांत और स्यादवाद अर्थात ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत। उक्त दोनों सिद्धांतों में सिमटा है भगवान महावीर का दर्शन। दर्शन अर्थात जो ब्रह्मांड और आत्मा के अस्तित्व के प्रारंभ और इसकी स्थिति तथा प्रकार के बारे में खुलासा करता हो।

महावीर का संघ : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान मार्ग को पुष्ट करने हेतु अपने अनुयायियों को चार भागों में विभाजित किया- मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविका। प्रथम दो वर्ग गृहत्यागी परिव्राजकों के लिए और अंतिम दो गृहस्थों के लिए। यही उनका चतुर्विध-संघ कहलाया।

पंच महाव्रत : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान हेतु धर्म के मूल पाँच व्रत बताए- अहिंसा, अचौर्य, अमैथुन और अपरिग्रह। उक्त पंचमहाव्रतों का पालन मुनियों के लिए पूर्ण रूप से और गृहस्थों के लिए स्थूलरूप अर्थात अणुव्रत रूप से बताया गया है। हालाँकि महावीर का धर्म और दर्शन उक्त पंच महाव्रत से कहीं ज्यादा विस्तृत और गूह्म है।

महावीर का निर्वाण : महावीर का निर्वाण काल विक्रम काल से 470 वर्ष पूर्व, शक काल से 605 वर्ष पूर्व और ईसवी काल से 527 वर्ष पूर्व 72 वर्ष की आयु में कार्तिक कृष्ण (अश्विन) अमावस्या को पावापुरी (बिहार) में हुआ था। निर्वाण दिवस पर घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाती है।

महावीर के शिष्य : महावीर के हजारों शिष्य थे जिनमें राजा-महाराजा और अनेकानेक गणमान्य नागरिक थे। लेकिन कुछ प्रमुख शिष्य भी थे ?जो हमेशा उनके साथ रहते थे। इसके अलावा भी जिन्होंने नायकत्व संभाला उनमें भी प्रमुख रूप से तीन थे।

महावीर के निर्वाण के पश्चात जैन संघ का नायकत्व क्रमश: उनके तीन शिष्यों ने संभाला- गौतम, सुधर्म और जम्बू। इनका काल क्रमश: 12, 12, व 38 वर्ष अर्थात कुल 62 वर्ष तक रहा। इसके बाद ही आचार्य परम्परा में भेद हो गया। श्वेतांबर और दिगंबर पृथक-पृथक परंपराएँ हो गईं।

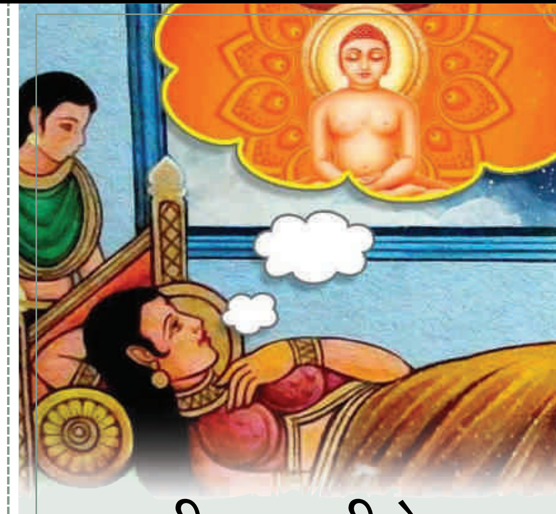

महावीर स्वामी के जन्म से पहले माता त्रिशला ने देखे थे ये शुभ स्वप्न

प्राचीन जैन ग्रंथ 'उत्तर पुराण' में तीर्थंकरों का वर्णन मिलता है। इस ग्रंथ के अनुसार वैशाली के राजा चेटक के दस पुत्र और सात पुत्रियां थीं। राजा चेटक प्राचीन भारत के वैशाली लिच्छवि राजवंश मुखिया थे जो गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी के समकालीन थे। राजा चेतक की रानी का नाम सुभद्रा था। इनके दस पुत्र हुए जिनके नाम धनदत्त, धनप्रभ, उपेन्द्र, सुदत्त, सिंहभद्र, सुकुम्भोज, अकम्पन, पतंगक, प्रभंजन और प्रभास थे और सात पुत्रियां थीं उनमें सबसे बड़ी प्रियकारिणी (त्रिशला) थी, फिर मृगावती, सुप्रभा, प्रभावती, चेलिनी, ज्येष्ठा और सबसे छोटी चंदना थी। उनकी ज्येष्ठ पुत्री त्रिशला (प्रियकारिणी) का विवाह कुण्डलपुर (वैशाली गणराज्य) के तत्कालीन राजा का सिद्धार्थ से हुआ था। एक दिन कुण्डलपुर के लोग सोकर उठे और देखते हैं कि अचानक वहां कीमती रत्नों की वर्षा आरंभ हो गई हैं। लोगों ने अभी तक जल वर्षा देखी थी, रत्न वर्षा देखकर उनका चमत्कृत होना स्वाभाविक था। इन्द्र की आज्ञानुसार कोषाध्यक्ष कुबेर कुण्डलपुर में प्रतिदिन प्रात:, मध्याह्न, सायं और रात्रि को तीन-तीन करोड़ रत्नों की वर्षा कर रहे थे। जैन मान्यतानुसार प्रत्येक तीर्थंकर के जन्म से छ: माह पूर्व से ऐसी रत्नवर्षा आरंभ हो जाती थी, जो उनके जन्मस्थल की सात पीढ़ियों तक संपन्न हो जाती थीं। कुण्डलपुरवासी इस अद्भुत रत्न वर्षा का कारण जानने के लिए उत्सुक थे। नगरभर में इसी बात की चर्चा थी। इतने रत्न बरस रहे थे कि घरों में रखने तक की जगह नहीं बची थी। कुण्डलपुर की सुख-समृद्धि स्वमेव बढ़ गई थी। नगर का वातावरण एक दिव्य आभा से आलोकित हो गया था।

जब महारानी त्रिशला भी नगर में हो रही अद्भुत रत्नवर्षा के बारे में सोच रही थीं। यह सोचते-सोचते वे ही गहरी नींद में सो गई। उसी रात्रि को अंतिम प्रहर में महारानी ने आषाढ़ शुक्ल षष्ठी के दिन सोलह शुभ मंगलकारी स्वप्न देखे। सुबह जागने पर महारानी त्रिशला के महाराज सिद्धार्थ से अपने स्वप्नों की चर्चा की और उसका फल जानने की इच्छा प्रकट की। राजा सिद्धार्थ एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ ही ज्योतिष शास्त्र के भी विद्वान थे। उन्होंने रानी से कहा कि एक-एक कर अपना स्वप्न बताएं। वे उसी प्रकार उसका फल महारानी को बताएंगे।

रानी ने पहला स्वप्न बताया : स्वप्न में एक अति विशाल श्वेत हाथी दिखाई दिया।

राजा ने फल बताया : उन्हें एक अद्भुत पुत्र-रत्न उत्पन्न होगा।

दूसरा स्वप्न : श्वेत वृषभ।

फल : वह पुत्र जगत का कल्याण करने वाला होगा।

तीसरा स्वप्न : श्वेत वर्ण और लाल अयालों वाला सिंह।

फल : वह पुत्र सिंह के समान बलशाली होगा।

चौथा स्वप्न : कमलासन लक्ष्मी का अभिषेक करते हुए दो हाथी।

फल : देवलोक से देवगण आकर उस पुत्र का अभिषेक करेंगे।

पांचवां स्वप्न : दो सुगंधित पुष्पमालाएं।

फल : वह धर्म तीर्थ स्थापित करेगा और जन-जन द्वारा पूजित होगा।

छठा स्वप्न : पूर्ण चन्द्रमा।

फल : उसके जन्म से तीनों लोक आनंदित होंगे।

सातवां स्वप्न : उदय होता सूर्य।

फल : वह पुत्र सूर्य के समान तेजयुक्त और पापी प्राणियों का उद्धारक होगा।

आठवां स्वप्न : कमल पत्रों से ढंके हुए दो स्वर्ण कलश।

फल : वह पुत्र अनेक निधियों का स्वामी निधि ?पति होगा।

नौवां स्वप्न : कमल सरोवर में क्रीड़ा करती दो मछलियां।

फल : महाआनंद का दाता, दुखहर्ता।

दसवां स्वप्न : कमलों से भरा जलाशय।

फल : एक हजार आठ शुभ लक्षणों से युक्त पुत्र।

ग्यारहवां स्वप्न : लहरें उछालता समुद्र।

फल : भूत-भविष्य-वर्तमान का ज्ञाता केवली पुत्र।

बारहवां स्वप्न : हीरे-मोती और रत्नजड़ित स्वर्ण सिंहासन।

फल : राज्य का स्वामी और प्रजा का हितचिंतक पुत्र।

तेरहवां स्वप्न : स्वर्ग का विमान।

फल : इस जन्म से पूर्व वह पुत्र स्वर्ग में देवता होगा।

चौदहवां स्वप्न : पृथ्वी को भेद कर निकलता नागों के राजा नागेन्द्र का विमान।

फल : जन्म से ही वह पुत्र त्रिकालदर्शी होगा।

पन्द्रहवां स्वप्न : रत्नों का ढेर।

फल : वह पुत्र अनंत गुणों से संपन्न होगा।

सोलहवां स्वप्न : धुआंरहित अग्नि।

वह पुत्र कर्मों का अंत करके मोक्ष (निर्वाण) प्राप्त करेगा।

इस तरह महारानी त्रिशला ने अपने सोलह स्वप्न फलों का वर्णन महाराजा सिद्धार्थ से प्राप्त किया। राजा सिद्धार्थ स्वप्न-फल बताकर शांत ही हुए थे कि उनके सामने कुछ दिव्य पुरुष प्रकट हुए। उनमें से एक ने अपना परिचय देते हुए कहा- 'हे राजन! मैं देवराज इन्द्र अपने साथियों सहित आपको व महारानी को नमन करता हूं। आप धन्य हैं, आपको तीनों लोकों के स्वामी का माता-पिता बनने का सौभाग्य मिला है। आपके यहां उत्पन्न होने वाला जीव- अंतिम तीर्थंकर महावीर के रूप में प्रसिद्ध होगा और पापियों का कल्याण करके स्वयं मोक्ष को प्राप्त करेगा। यह कहकर देवराज इन्द्र ने अपने साथी देवताओं सहित महारानी त्रिशला का अभिषेक किया, उन्हें दिव्य वस्त्र, रत्नाभूषण आदि प्रदान किए और महावीर का गर्भ कल्याणक मनाकर वापस स्वर्ग लौट गए। यह समाचार सुनकर महाराज सिद्धार्थ और महारानी त्रिशला की खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा। पूरे राज्य में यह समाचार फैल गया। घर-घर में खुशियां मनाई जाने लगीं। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म हुआ।

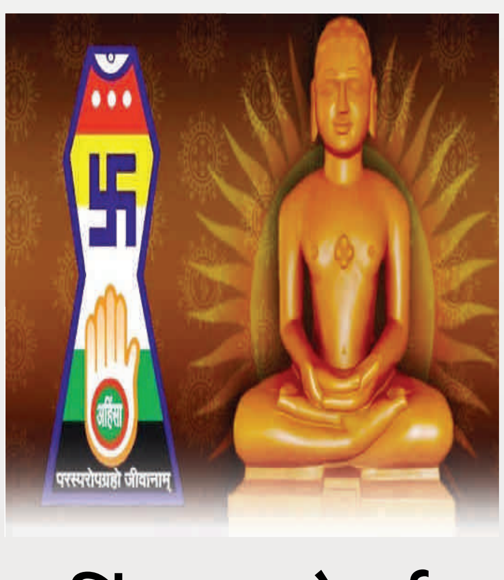

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव

महारानी त्रिशला का एक-एक क्षण बमुश्किल से बीत रहा था। वे बेसब्री से शिशु-जन्म की प्रतीक्षा कर रही थीं। उनकी देखभाल के लिए देवराज इंद्र ने देव कन्याओं को नियुक्त कर रखा था। अत: उन्हें किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा नहीं होती थी। जैन मान्यता के अनुसार, तीर्थंकर के जन्म के समय उनकी माता को किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती थी और ना ही उनके शरीर का रूपांतरण होता था। अंतत: वह घड़ी आ गई। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन भगवान महावीर ने जन्म लिया। उनके जन्म के साथ ही तीनों लोकों में आनंद छा गया। देव लोक स्वयं वाद्य बजाकर मंगल ध्वनि करने लगे। इंद्र का सिंहासन डोलने लगा। वे समझ गए कि चौबीसवें तीर्थंकर महावीर ने जन्म ले लिया है। वे अपनी पत्नी शचि के साथ महावीर का जन्म कल्याणक मनाने आए। क्षीरसागर के अमृत जल से महावीर का जलाभिषेक किया गया। कुंडलपुर में दो सप्ताह तक उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर महावीर का जन्मोत्सव मनाया गया। तदंतर ज्योतिषियों ने उनकी जन्मकुंडली बनाई और घोषित किया कि यह बालक या तो चक्रवर्ती राजा बनेगा या जगतगुरु।

प्राणी मात्र के कल्याण के लिए महावीर का संदेश

भगवान महावीर का संदेश प्राणी मात्र के कल्याण के लिए है। उन्होंने मनुय-मनुष्य के बीच भेदभाव की सभी दीवारों को ध्वस्त किया। उन्होंने जन्मना वर्ण व्यवस्था का विरोध किया। इस विश्व में न कोई प्राणी बड़ा है और न कोई छोटा। उन्होंने गुण-कर्म के आधार पर मनुष्य के महत्व का प्रतिपादन किया। ऊँच-नीच, उन्नत-अवनत, छोटे-बड़े सभी अपने कर्मों से बनते हैं। जातिवाद अतात्विक है। सभी समान हैं न कोई छोटा, न कोई बड़ा। भगवान की दृष्टि समभावी थी- सर्वत्र समता-भाव। वे सम्पूर्ण विश्व को समभाव से देखने वाले साधक थे, समता का आचरण करने वाले साधक थे। उनका प्रतिमान था- जो व्यक्ति अपने संस्कारों का निर्माण करता है, वही साधना का अधिकारी है। उनकी वाणी ने प्राणी मात्र के जीवन में मंगल प्रभात का उदय किया। जब भगवान से यह जिज्ञासा व्यक्त की गई कि आत्मा आँखों से नहीं दिखाई देती तथा इस आधार पर आत्मा के अस्तित्व के सम्बन्ध में शंका व्यक्त की गई तो भगवान ने उत्तर दिया : 'भवन के सब दरवाजे एवं खिड़कियाँ बन्द करने के बाद भी जब भवन के अन्दर संगीत की मधुर ध्वनि होती है तब आप उसे भवन के बाहर निकलते हुए नहीं देख पाते। आँखों से दिखाई न पड़ने के बावजूद संगीत की मधुर ध्वनि बाहर खड़े श्रोताओं को आच्छादित करती है। संगीत की ध्वनि पौद्गलिक (भौतिक द्रव्य) है। आत्मा अरूपी एवं अमूर्तिक है। आँखें अरूपी आत्मा को किस प्रकार देख सकती हैं? अमूर्तिक आत्मा का इन्द्रिय दर्शन नहीं होता, अनुभूति होती है। प्रत्येक आत्मा में परम ज्योति समाहित है। प्रत्येक चेतन में परम चेतन समाहित है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में स्वतंत्र, मुक्त, निर्लेप एवं निर्विकार है। प्रत्येक आत्मा अपने पुरुषार्थ से परमात्मा बन सकती है। शुद्ध तात्विक दृष्टि से जो परमात्मा है वही मैं हूँ और जो मैं हूँ वही परमात्मा हैं। मनुष्य अपने सत्कर्म से उन्नत होता है।

इजराइल ने किए सीरिया के होम्स प्रांत में हवाई हमले, 5 सैनिक घायल

बेरूत ।इजराइल ने सीरिया के होम्स प्रांत में रविवार तड़के कई जगहों पर हवाई हमले किए, जिनमें 5 सैनिक घायल हो गए। मीडिया ने यह जानकारी दी। 'सीरियाई ऑबज़रवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' के अनुसार इस साल की शुरुआत से इज़राइली वायुसेना की ओर से नौवीं बार विभिन्न ठिकानों को निशाना बनाया गया है। मीडिया ने सैन्य सूत्रों के हवाले से कहा कि होम्स शहर और आसपास के इलाकों में कई जगहों को निशाना बनाया गया है। एजेंसी ने दावा किया कि सीरिया की हवाई रक्षा प्रणाली ने कई इज़राइली मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। 'सीरियाई ऑबजरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने बताया कि मिसाइलों ने सीरियाई सैन्य ठिकानों और ईरान से संबंधित मिलिशिया के प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिसमें एक शोध केंद्र भी शामिल है। इज़राइल की ओर से हमलों को लेकर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अमेरिका : ओकलाहोमा के बार में गोलीबारी, तीन लोगों की मौत

ओकलाहोमा सिटी। अमेरिका के ओकलाहोमा सिटी के एक बार में शनिवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। समाचार चैनल 'कोको टीवी' की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम ओकलाहोमा सिटी में न्यूकैसल रोड के पास स्थित व्हिस्की बैरल सैलून में शनिवार रात नौ बजे के आसपास हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आईं। ओकलाहोमा सिटी पुलिस ने ट्वीट करके बताया कि जांचकर्ता मौके पर मौजूद हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी की वजह फिलहाल साफ नहीं हो सकी है और पुलिस हमलावर की तलाश में जुटी है।

कनाडा-अमेरिका सीमा पर मानव तस्करी के दौरान चार भारतीयों की हुई मौत, पुलिस ने की पुष्टि

कनाडा में पुलिस ने दो बच्चों समेत आठ लोगों के शव बरामद किए है। सभी मृतक अवैध तौर पर कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में घुसने की कोशिश में जुटे हुए थे। मृतकों में एक भारतीय मूल की महिला भी शामिल है। मृतकों की शिनाख्त करने में स्थानीय पुलिस जुट गई है। अभी ये नहीं पता चला है कि सभी की मौत कब और कैसे हुई है। जानकारी के मुताबिक मृतक कनाडा से सेंट लॉरेंस नदी को नाव से पार कर अमेरिका में प्रवेश पाने की फिराक में थे। इस मामले की तहकीकात अकवेस्ने मोहॉक के पुलिस कर रही है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मृतकों की पहचान की जा रही है। उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी जा चुकी है। नदी पार करने को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। दरअसल पुलिस एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए जांच में जुटी हुई थी तभी एक पलटी हुई नाव देखी। इसके बाद एक शव बरामद हुआ और फिर अन्य शव भी बरामद हुए। गौरतलब है कि अमेरिका कनाडा सीमा पर मुठभेड़ों और तस्करी की घटनाओं में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। बीते वर्षों की तुलना में वर्ष 2022 में आठ गुना से अधिक लोगों ने कनाडा-अमेरिका सीमा को अवैध तरीके से पार करने की कोशिश की है।

पीएम सुनक पर आरोप, उनकी नई बजट नीति से पत्नी अक्षता को लाभ होगा

लंदन ।ब्रिटेन की विपक्षी पार्टियां प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पर हाल की एक बजट नीति को लेकर दबाव बना रही हैं। पीएम सुनक पर आरोप लग रहे हैं कि सरकार की हालिया बजट नीति से उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति को व्यावसायिक लाभ मिल सकता है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति को कोरू किड्स लिमिटेड में एक शेयरधारक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसतरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि इस महीने आए देश के बजट में घोषित नई पायलट योजना से उनकी कंपनी को लाभ पहुंच सकता है। बजट में बच्चों की देखभाल से जुड़े लोंगो को प्रोत्साहित करने का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सुनक ने इस मामले पर ब्रिटेन के मंत्रिस्तरीय कोड का पालन किया था, विपक्ष ने और स्पष्टीकरण मांगा है। लिबरल डेमोक्रेट के मुख्य व्हिप वेंडी चेम्बरलेन ने कहा कि सुनक के लिए किसी भी संभावित हितों के टकराव और सरकारी नीति से उनके परिवार को फायदा होने से जुड़े गंभीर प्रश्नों के उत्तर देना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार यूके के कंपनी हाउस रजिस्टर में सुश्री मूर्ति को कोरू किड्स में एक शेयरधारक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इंग्लैंड में छह चाइल्डमाइंडर एजेंसियों में से एक सरकार की वेबसाइट पर संपर्क विवरण के साथ सूचीबद्ध है।

भारत को 15 मूर्तियां लौटाएगा अमेरिका का प्रतिष्ठित संग्रहालय

अमेरिका का प्रतिष्ठित मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट भारत को 15 मूर्तियां लौटाएगा। उसने यह कदम तब उठाया है, जब उसे पता चला है कि ये मूर्तियां भारत से गैरकानूनी तरीके से अमेरिका लाकर बेची गई थीं। संग्रहालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि वह 15 मूर्तियां भारत सरकार को लौटाएगा। इनमें पहली शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 11वीं ईसवी की मूर्तियां शामिल हैं, जो टेराकोटा, तांबा और पत्थर से बनी हैं। ये सभी मूर्तियां कुख्यात डीलर सुभाष कपूर ने बेची थीं, जो अभी भारत में जेल की सजा काट रहा है। बयान में कहा गया है, ''संग्रहालय पुरातात्विक कला वस्तुओं को जिम्मेदार तरीके से अधिग्रहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। संग्रहालय संदिग्ध डीलरों से मिली प्राचीन वस्तुओं के इतिहास की सक्रियता से समीक्षा कर रहा है। वह भारत सरकार के साथ अपने दीर्घकालीन संबंधों को काफी अहमियत देता है और इस मामले को सुलझाना चाहता है।'' इसमें कहा गया है कि संग्रहालय ने 2015 में कपूर से खरीदी गई वस्तुओं के बारे में डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी से संपर्क किया था और उसे मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय द्वारा ''सुभाष कपूर के खिलाफ की गई आपराधिक जांच के परिणामस्वरूप आज इस मामले में कार्रवाई करके बहुत खुशी हो रही है।

अब फ्रांस भी होगा ऑकस पनडुब्बी प्रोग्राम का हिस्सा

-अमेरिका की तरफ से हथियार के लिए मुहैया कराई जाएगी सामग्री, बढ़ेगी चीन की टेंशन

पेरिस ।फ्रांस भी अब ऑकस पनडुब्बी प्रोग्राम का हिस्सा होगा। गठबंधन के विस्तार की योजना के तहत ही फ्रांस ने भी इस संगठन में शामिल होने का फैसला किया है। अब इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के अलावा फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लिए परमाणु अटैक पनडुब्बियों का निर्माण होगा। अमेरिका की तरफ से इस हथियार के लिए सामग्री मुहैया कराई जाएगी। फ्रांस की सरकार की तरफ से अभी इस बात को लेकर आधिकारिक ऐलान होना बाकी है। मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी गई है। 18 सितंबर 2021 को इस डील का ऐलान किया गया था।

अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इस साल 13 मार्च को इस डील के विस्तार को लेकर ऐलान किया गया था। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता का जवाब देने के मकसद से इस प्रोजेक्ट को शुरू किया गया था। फ्रांस ने शुरुआत में इससे मुंह फेर लिया था, लेकिन अब जबकि वह भी इसमें शामिल हो रहा है तो जाहिर सी बात है कि चीन की टेंशन भी बढ़ जाएगी। इस प्रोजेक्ट के तहत 368 अरब डॉलर की लागत से परमाणु पनडुब्बियों का निर्माण किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूके ने जो योजना बनाई है, उसके तहत इस गठबंधन में शामिल देशों के नौसेनाओं के लिए परमाणु क्षमता से लैस अटैक पनडुब्बियों का निर्माण किया जाएगा।योजना के अनुसार 4 पनडुब्बियां नौसेनाओं को मिलेंगी। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि फ्रांस के लिए पनडुब्बियों का निर्माण ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की ही तरह किया जाएगा या फिर फ्रेंच पनडुब्बियां इनसे कुछ अलगी होंगी। फ्रांस इस गठबंधन का हिस्सा बनेगा, इस बात के बार में पहले से ही बातें की जा रही थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यह दिली तमन्ना थी कि फ्रांस इसका हिस्सा बने। अब तक पीएम ऋषि सुनक या उनके ऑफिस की तरफ से इस पर कोई भी बयान नहीं दिया गया है।

रोम में यूनिवर्सिटी अस्पताल से बाहर आये एक बच्चे को ऑटोग्राफ देते हुए पोप फ्रांसिस।

ब्रोंकाइटिस से ठीक होने के बाद वेटिकन लौटे पोप फ्रांसिस

रोम ।रोम के जेमेली अस्पताल में ब्रोंकाइटिस (श्वांस संबंधी बीमारी) का इलाज कराने के बाद पोप फ्रांसिस वेटिकन लौट आए हैं। सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद पोप को 30 मार्च को रोम के जेमेली अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद 86 वर्षीय पोप ने अपने शुभचिंतकों से मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं अभी जिंदा हूं। जेमेली अस्पताल के डॉक्टर्स ने कहा कि पोप को एंटीबायोटिक दवाइयां दी गईं, इससे उन्हें काफी राहत मिली है। वहीं जब पोप अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद अपनी कार से निकले और बिना किसी व्यक्ति का सहारा लिए वह अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ने लगे। दरअसल, वह यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि वह फिट हैं। पोप ने अस्पताल से निकलने के बाद अपने शुभचिंतकों और पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने इस बात की पुष्टि भी की कि वे सेंट पीटर्स स्कायर में होने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या वह अस्पताल में रहने के दौरान डरे हुए थे। इसके जवाब में पोप ने कहा कि नहीं, वे डरे नहीं। उन्होंने कहा कि जब आप बीमार होते हैं, तो बहुत असहज स्थिति में होते हैं। ऐसे में डॉक्टर्स और अस्पताल में काम करने वाले लोग मरीजों के प्रति बेहद कोमल व्यवहार करते हैं। बीमारी के दौरान धैर्य से काम लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं बच्चों के वार्ड में गया और देखा कि डॉक्टर्स कितनी कोमलता से बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पोप फ्रांसिस के लिए यह साल का सबसे व्यस्ततम समय होता है। दरअसल, उन्हें कई तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा लेना होता है।

चीन की धमकियां बेअसर: ताइवानी राष्ट्रपति पहुंची अमेरिका, केविन से भेंट को लेकर टेंशन में बीजिंग

वाशिंगटन (एजेंसी)। ताइवान की राष्ट्रपति त्साइ इंग-वेन ने चीन की हर चेतावनी को नजरअंदाज कर अमेरिका की यात्रा शुरू कर दी है। वह बुधवार को न्यूयार्क पहुंच गईं। इस यात्रा के जरिए वह दिखाना चाहती हैं कि स्वशासित ताइवान इस समय चीन की धमकियों का सामना कर रहा है और वह अपने सहयोगी देश से सुरक्षा चाहती हैं। गुरुवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने भी किसी अमेरिकी अधिकारी से मुलाकात को लेकर चेतावनी दी।

चीन का मुख्य एतराज पांच अप्रैल को अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैककार्थी से संभावित मुलाकात को लेकर है। वाशिंगटन स्थित चीन की प्रभारी राजदूत शु शुयान ने बुधवार को संवादाताओं से वर्चुअल संवाद के दौरान कहा कि ताइवानी राष्ट्रपति की अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैककार्थी व अन्य अधिकारियों से मुलाकात की संभावना है। शु शुयान ने चेतावनी दी कि अगर ऐसा होता है, तो यह बहुत ही गंभीर मामला होगा। इससे अमेरिका-चीन के द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ना तय है।

वहीं, न्यू जर्सी से डेमोक्रेट सीनेटर व सीनेट की विदेशी संबंधों की समिति के चेयरमैन राबर्ट मेंडेज ने कहा कि राष्ट्रपति त्साइ इंग-वेन के साथ किसी भी अमेरिकी अधिकारी की अनौपचारिक मुलाकात स्पष्ट कर देता है कि ताइवान के लिए अमेरिकी समर्थन 'मजबूत और स्पष्ट' है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताइवान अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी और अमेरिकी सैन्य मदद पाने वाला प्रमुख भागीदार है। इससे पहले पिछले साल अगस्त में अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद तनाव बढ़ गया था। इसके जवाब में चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य व ताइवान के आसपास कई मिसाइलें दागी थीं व पोत भेजे थे।

भूटान के राजा की भारत यात्रा से चीन बौखलाया

बीजिंग (एजेंसी)। डोकलाम को लेकर भूटान से मिले समर्थन पर चीन की बौखलाहट सामने आ रही है। पिछले दिनों भारत के पड़ोसी देश भूटान ने यह दावा किया कि उसके क्षेत्र में कोई भी चीनी गांव मौजूद नहीं है। साथ ही भूटानी पीएम ने कहा कि डोकलाम विवाद को हल करने में चीन की भी समान भूमिका है। भूटान के इस बयान का अब विस्तारवादी चीन फायदा उठाना चाह रहा है। चीन के सरकारी अखबार ने एक लेख में चीन-भूटान सीमा विवाद को हल करने भारत को सबसे बड़ी रुकावट करार दिया है। भूटानी प्रधानमंत्री के हालिया बयानों पर अखबार ने लिखा, चीनी विशेषज्ञों ने इस प्रगति की तारीफ की है और यह रेखांकित किया है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद बहुत मामूली हैं। लेकिन भारत के प्रतिरोध के चलते उन्हें औपचारिक रूप से सीमांकित नहीं किया गया है। भारत के खिलाफ इस लेख से संकेत मिलता है कि भूटान के राजा की आगामी भारत यात्रा से चीन को गहरा आघात लगा है। यहां गौरतलब है कि भूटान ने डोकलाम विवाद को हल करने में चीन को बराबर का भागीदार बनाया है। जिसके विरोध में अखबार ने लिखा, डोकलाम पूरी तरह चीन की सीमा में है। और उसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। इस बारे में एक अन्य लेख चीजों को और अधिक स्पष्ट कर देता है। चीन के दृष्टिकोण को दर्शाती एक वेबसाइट ने अपने लेख में लिखा, चीन और भूटान के बीच इस बात पर कोई मतभेद नहीं है कि डोकलाम चीन का है। इसने भी वही बात लिखी, डोकलाम न ही भारत का है और न भूटान का, वह सिर्फ चीन का है।

चीनी मीडिया के ये मनगढ़ंत दावे और इस तरह जहर उगलना भूटान के समर्थन का ही नतीजा है। जानकार मानते हैं कि ट्राइजंक्शन बिंदुओं को तय करने में चीन को अपनी बात रखने का मौका देकर भारत और भूटान की शिष्टता अब विफल साबित हो गई है। एक तरफ चीन भूटानी क्षेत्र के भीतर बड़े पैमाने पर गांवों और सड़कों का निर्माण कर रहा है, वहीं थिम्पू और दिल्ली अभी भी उन समझौतों पर भरोसा कर रहे हैं जिन्हें बीजिंग ने कब का तोड़कर फेंक दिया है। इस तरह से डोकलाम को लेकर चीन की मंशा जाहिर हो गई है।

चीन को फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर टेक्नोलॉजी देने की योजना बना रहा रूस

-रूस की योजना से ड्रैगन के खतरनाक प्लान को मिलेगी मदद

मॉस्को (एजेंसी)। अभी हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस मुलाकात के कई मतलब दुनिया के अलग-अलग विशेषज्ञों ने निकाले। अब खबर है कि चीन को अपने परमाणु हथियारों के लिए रूस की मदद मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार रूस चीन को फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर टेक्नोलॉजी देने की योजना बना रहा है। यह योजना अगर अपने अंजाम पर पहुंचती है तो चीन को अपने परमाणु हथियारों को डेवलप करने में बड़ी मदद मिलेगी। साथ ही पश्चिमी देशों के साथ परमाणु हथियारों की रेस में आगे बढ़ने में भी उसे मदद मिलेगी।

मीडिया के अनुसार पुतिन और जिनपिंग ने परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम उत्पादन के लिए अनुकूलित फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टरों को विकसित करने के लिए दीर्घकालिक समझौते की घोषणा की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2022 में रूस की कंपनी रोसाटॉम जो न्यूक्लियर एनर्जी तैयार करने वाली कंपनी है, उसने चीन के सीएफआर-600 परमाणु रिएक्टर को 25 टन समृद्धित यूरेनियम स्थानांतरित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने यूरेनियम की मदद से एक साल में 50 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।

अमेरिकी रक्षा विभाग के अधिकारियों और अमेरिकी मिलिट्री विशेषज्ञों का अनुमान है कि सीएफआर -600 रिएक्टर चीन के परमाणु हथियारों की संख्या साल 2035 तक 1500 तक कर देगा। वर्तमान समय में यह 400 ही है। चीन ने इस आकलन को खारिज कर दिया है। चीन के अनुसार सीएफआर-600 असैन्य बिजली ग्रिड से जुड़ा है। 440 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले इस कार्यक्रम के जरिए वह एक दशक के न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन में अमेरिका से आगे निकलने की योजना बना रहा है। जिनपिंग ने पुतिन के साथ मीटिंग में ऐलान किया कि चीन की तरफ से रूस को परमाणु सहायता में इजाफा किया जाएगा।

रूस परमाणु रिएक्टरों और ईंधन का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। चीन के तेज रिएक्टर, जो पानी के बजाय लिक्विड मेटल का प्रयोग करते हैं, मध्यम संचालन के लिए रूसी तकनीक पर आधारित हैं।

पाकिस्तान में महंगाई दर ने तोड़ा पांच दशक का रिकॉर्ड

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तंगहाली में जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई ने पांच दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल-दर-साल के आधार पर मार्च में महंगाई दर 35.37 फीसदी पर पहुंच गई है। पाकिस्तान की सरकार ने इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) से बेलआउट पैकेज के लिए पॉलिसी में बदलाव किया था। इस वजह से ब्याज दरें बढ़ी थीं और इसका असर तमाम चीजों पर देखने को मिला। खत्म हो रहे विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से पाकिस्तान रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं को आयात करने में सक्षम नहीं है। इस वजह से आटे और दाल जैसी वस्तुओं के लिए लोगों को कई गुना अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

आर्थिक संकट से निकलने के लिए पाकिस्तान को आईएमएफ के बेलआउट पैकेज की सख्त जरूरत है, लेकिन पाकिस्तान को ये पैकेज अब तक नहीं मिल पाया है। शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महीने-दर-महीने के आधार पर पाकिस्तान में महंगाई दर 3.72 फीसदी रही। खराब वित्तीय प्रबंधन और राजनीतिक अस्थिरता ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर धकेल दिया है। रही-सही कसर पिछले आई बाढ़ ने पूरी कर दी थी, जिसमें पाकिस्तान का एक तिहाई हिस्सा जलमग्न हो गया था।

इस भीषण आर्थिक संकट से निकलने के लिए पाकिस्तान को अपने मौजूदा कर्ज चुकाने हैं। इसके लिए उसे अरबों डॉलर के फंड की जरूरत है। पाकिस्तान की गरीब जनता को इस आर्थिक उथल-पुथल का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। रमजान के महीने में फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर भीड़ की वजह से कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। कराची की एक एनालिस्ट शाहिदा विजारत ने कहा कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, मेरा मानना है कि अकाल जैसी स्थिति पैदा हो रही है। दक्षिण एशियाई देश पाकिस्तान आर्थिक संकट से उबरने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से लगातार गुहार लगा रहा है, लेकिन आईएमएफ ने अब तक उसे मदद देने पर मुहर नहीं लगाई है। पाकिस्तान को वैश्विक निकाय से 1.1 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दरकार है। खराब आर्थिक हालात के कारण पाकिस्तान के ऊपर अरबों रुपये का कर्ज है। पाकिस्तान के ऊपर कुल कर्ज और देनदारी 60 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये से अधिक की है। यह देश की जीडीपी का 89 फीसदी है। वहीं इस कर्ज में करीब 35 फीसदी हिस्सा केवल चीन का है, इसमें चीन के सरकारी वाणिज्यिक बैंकों का कर्ज भी शामिल है। पाकिस्तान पर चीन का 30 अरब डॉलर का कर्ज बकाया है, जो फरवरी 2022 में 25.1 अरब डॉलर था।

आईएमएफ से मांगी गई बेलआउट पैकेज से दोगुना है कश्मीर का बजट

-अवाम की भूख से बढ़कर है पाकिस्तान को कश्मीर की लालच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। रोटी-रोटी के लिए मोहाल पाकिस्तान की सरकार अपने ही नागरिकों को बमुश्किल खाना-पानी मुहैया करा रही है, पर भारत से रार नहीं छोड़ रही है। जनता भूखों मर रही है और पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से जितना बेलआउट पैकेज चाहिए, जम्मू-कश्मीर का बजट उसका भी दोगुना कर दिया गया है। वास्तविकता के बावजूद पाकिस्तान का कश्मीर के लिए उसका लालच खत्म नहीं हो पा रहा है। कभी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो कश्मीर पर बयान देते हैं तो कभी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कश्मीर के लिए दुनिया से समर्थन मांगते, लेकिन वह हकीकत से कोसों दूर हैं। वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर का बजट 1 लाख 18 हजार 500 करोड़ रुपए तय किया है यानी 14.5 अरब डॉलर। पाकिस्तान को आईएमएफ से 7 अरब डॉलर का राहत पैकेज चाहिए। अब उसे यह बजट तो इस राशि का भी दोगुना है। भारत की तरफ से बताया गया है कि इस राशि का मतलब यही है कि वह जम्मू-कश्मीर के विकास मॉडल को आगे बढ़ाना चाहती है। सिर्फ कश्मीर ही नहीं, अगर भारत के दूसरे राज्यों की तुलना करें तो भी यह पाकिस्तान से कहीं गुना आगे हैं। पाकिस्तान हमेशा कश्मीर में विकास होने की इस बात को मानने से इनकार कर देता है। इसकी जगह वह हमेशा पूरी दुनिया में कश्मीर को लेकर एक प्रपोगेंडे को आगे बढ़ता है। पिछले दिनों नियंत्रण रेखा से कश्मीर घाटी के हालात देखने वाले दो पाकिस्तानी यू-ट्यूबर्स ने भी यह सच सामने ला दिया कि उनके देश की सरकार जम्मू-कश्मीर पर झूठ बोल रही है। हर तरफ विकास, सांप्रदायिक सौहार्द्र, सस्ती बिजली, 5जी मोबाइल टॉवर और चारों तरफ विकास को देखकर ये ट्यूबर्स हैरान रह गए थे।

धरती का अंत कैसे होगा? वैज्ञानिकों को मिले संकेत

-पृथ्वी पर सबसे पहले क्या होगा खत्म

वाशिंगटन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों को नए अध्ययन में एक बाहरी ग्रह यानी एक्सोप्लेनेट से संकेत मिले हैं कि धरती का अंत कैसे होगा? वैज्ञानिकों के मुताबिक, हमारे ग्रह पृथ्वी का वजूद सूर्य के अस्तित्व से है।साफ है कि जब तक पृथ्वी को सूर्य से प्रकाश मिलता रहेगा, तब तक हमारे ग्रह का अस्तित्व बना रहेगा।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने नए अध्ययन में एक्सोप्लेनेट को अपने तारे की ओर टकराने के लिए जाते हुए देखा है।धीरे-धीरे इस एक्सोप्लेनेट की अपनी कक्षा खत्म हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रहों के जीवन चक्र को समझने के नजरिये से ये अध्ययन मील का पत्थर साबित होगा।शोधकर्ताओं को पहले ही पता लग चुका है कि एक्सोप्लेनेट अपने तारे में समाकर नष्ट हो जाते हैं।ये अभी तक सिर्फ सैद्धांतिक तौर पर माना जाता रहा है।अभी तक नष्ट होते किसी ग्रह को नहीं देखा गया था।ऐसे में इस अध्ययन में वैज्ञानिकों को इस पूरी घटना को देखने का मौका मिल रहा है।नासा ने टेलीस्कोप की मदद से अपने तारे की ओर बढ़ रहे बाहरी ग्रह केप्लर 1658बी की खोज 2009 में ही कर ली थी।हालांकि, इस बाहरी ग्रह के अस्तित्व की पुष्टि करने के लिए वैज्ञानिकों को एक दशक का समय लग गया था.वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस बाहरी ग्रह और बृहस्पति ग्रह में काफी समानताएं हैं।दोनों का आकार और भार करीब-करीब बराबर है।दोनों में सिर्फ इतना सा अंतर है कि बाहरी ग्रह अपने तारे के बहुत ज्यादा नजदीक पहुंच चुका है।इन दोनों के बीच की दूरी सूर्य और बुध के बीच की दूरी के 8वें हिस्से के बराबर रह गई है।इस तरह के एक्सोप्लेनेट का अंत कक्षा खत्म होने पर अपने तारे में समाने से होता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक्सोप्लेनेट की कक्षा हर साल घटती जा रही है।हालांकि, ये एक्सोप्लेनेट काफी धीमी रफ्तार से अपने सूर्य की ओर बढ़ रहा है। एक्सोप्लेनेट की कक्षा हर साल 131 मिली सेकेंड की दर से घट रही है।खगोलविदों के मुताबिक, किसी भी ग्रह और उसके सूर्य के बीच का गुरुत्वाकर्षण बल एकदूसरे के आकार में बदलाव पैदा करता है।इसी बदलाव के कारण जबरदस्त ऊर्जा भी निकलती है।वैज्ञानिकों ने पाया है कि ऐसी ही ऊर्जा बृहस्पति ग्रह और उसके चंद्रमाओं के बीच गुरुत्वाकर्षण बल के कारण भी पैदा हो रही है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि अब ऐसे प्रमाण मिल गए हैं, जिनसे हम अपनी टाइडल फिजिक्स के सिद्धांतों को बेहतर कर सकते हैं।केप्लर 1658बी के अंत की प्रक्रिया वैज्ञानिकों के लिए एक प्रयोगशाला की तरह

काम करेगा। मालूम हो कि लोग अक्सर कहते हैं कि अंतरिक्ष से कोई बहुत बड़ी चट्टान या उल्कापिंड धरती से टकराएगा, तब पृथ्वी कई टुकड़ों में बंटकर नष्ट हो जाएगी. वैज्ञानिक भी इस सवाल का सही जवाब खोजने के लिए लंबे समय से शोध व अध्ययन कर रहे थे. अब वैज्ञानिकों को सफलता मिल गई।

लखनऊ में निजी विश्वविद्यालय के 78 छात्र हॉस्टल का खाना खाने से बीमार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बाबू बनारसी दास (बीबीडी) विश्वविद्यालय के कम से कम 78 छात्र छात्रावास में खाना खाने के बाद बीमार हो गए। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि 42 छात्रों को राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और 36 को चिनहट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने बीबीडी परिसर के अंदर छात्रों और छात्राओं का भी दौरा किया। एसएम बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप के डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) और चीफ प्रॉक्टर कामिल रिजवी ने बताया कि कैंपस में एक कार्यक्रम था, जो देर रात तक चलता रहा। हॉस्टल लौटने पर छात्रों ने डिनर किया। घंटों बाद हमें उनमें से कुछ को पेट की समस्या होने की खबर मिली, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। चिनहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के अधीक्षक ने कहा कि छात्रों ने बताया कि उन्होंने सलाद, चावल, दाल, चपाती और मिठाई खाई। उनके अनुसार चपाती और मिठाई का स्वाद खराब था। अधिकांश छात्रों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य की हालत स्थिर है।

गोवा के गांव से पकड़ा गया ब्लैक पैंथर, चिड़ियाघर में निगरानी में रखा गया

पणजी । गोवा के एक गांव से पकड़े गए ब्लैक पैंथर को निगरानी के लिए एक सरकारी चिड़ियाघर में अस्थायी रूप से रखा गया है। वन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। वन विभाग ने दक्षिण गोवा जिले के बल्ली गांव से 'ब्लैक पैंथर' को एक मानव बस्ती में देखे जाने के बाद उसे शनिवार को वहां से निकाला और उसे निगरानी में रखने के लिए उत्तरी गोवा के बोंडला चिड़ियाघर में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि ब्लैक पैंथर को मामूली चोट आई है और उसका इलाज किया जा रहा है। उसे लोगों को नहीं दिखाया जाएगा। जब वह ठीक हो जाएगा तो उसे गोवा के घने जंगल में छोड़ दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि वन विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि 'ब्लैक पैंथर' ने अपना आवास छोड़कर मानव बस्ती में क्यों प्रवेश किया। इससे पहले राणे ने ट्वीट किया कि क्यूपेम के बल्ली गांव और आसपास के इलाकों में एक 'ब्लैक पैंथर' की हलचल को देखते हुए वन विभाग द्वारा उसे पकड़ने का अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान 'ब्लैक पैंथर' को पकड़ लिया गया।

भाजपा ने अपनाया अमेरिकी मॉडल, उम्मीदवार चयन के लिए भी चुनाव

बेंगलुरु । कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अमेरिकी मॉडल अपनाया है। चुनावों के एलान होते ही सभी राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। डिवीजन, जिलों, जातियों और समुदायों के आधार पर हर सीट पर प्रचार का खाका तैयार हो रहा है। वहीं कांग्रेस और जेडीएस ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है। उम्मीदवार अपने नाम के घोषणा होने के बाद प्रचार-प्रसार में जुट गए हैं। राज्य में दूसरी बार सरकार बनाने के लिए भाजपा ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव मॉडल को अपनाया है। इसके लिए प्रत्याशियों के चयन को प्राइमरी आयोजित की गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एक विस्तृत चयन प्रक्रिया शुरू करते हुए पार्टी ने शुक्रवार को 224 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक के लिए तीन संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के लिए चुनाव कराया। यानी कि विधानसभा चुनाव में विधायक चुनने से पहले निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्याशी चुनने के लिए वोटिंग हुई। हर एक निर्वाचन क्षेत्र में एक दो वरिष्ठ सदस्यों को मतदान की देखरेख के लिए पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। उम्मीदवार चयन के लिए हर एक निर्वाचन क्षेत्र में औसतन 150 पार्टी सदस्यों ने मतदान किया। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुने गए तीन नामों की जिला कोर समितियां शनिवार और रविवार को प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जांच करेंगी। जांच के आधार पर संभावितों की लिस्ट तैयार करने के लिए राज्य कोर समिति की अगले सप्ताह की शुरुआत में बैठक होने की उम्मीद है। भाजपा सदस्यों ने कहा कि यह लिस्ट बीजेपी केंद्रीय संसदीय बोर्ड को भेजी जाएगी।

मेनका गांधी का गजब बयान, गधे के दूध का साबुन औरत को रखता है सुंदर

सुल्तानपुर । भारतीय जनता पार्टी की सांसद मेनका गांधी अपने बयान की वजह से चर्चा में हैं। जहां उन्होंने चौपाल को संबोधित करते हुए मेनका गांधी ने कहा कि गधे के दूध का साबुन औरत के शरीर को हमेशा सुंदर रखता है। एक बहुत मशहूर विदेशी रानी होती थी, क्लियोपैट्रा वो गधे के दूध में नहाती थी। दिल्ली में गधे के दूध का साबुन 500 रुपए में एक बिक रहे हैं। क्यों नहीं हम लोग बकरे के दूध का साबुन बनाएं। गधे के दूध का साबुन बनाए। चौपाल में उन्होंने कहा कि लद्दाख में एक समूह है। कितने दिन हो गए आप लोगों को गधे देखे हुए। कम हो गए हैं, खत्म हो गए हैं। धोबी का काम भी खत्म हो गया है। लेकिन लद्दाख में लोगों ने गधों से दूध निकालना शुरू किया और गधे के दूध से साबुन बनाया। मेनका गांधी ने कहा कि गधे के दूध का साबुन औरत के शरीर को हमेशा सुंदर रखता है। उन्होंने कहा कि पेड़ गायब हो रहे हैं। लकड़ी इतनी महंगी हो गई है कि आदमी मरते वक्त भी अपने पूरे परिवार को कंगाल करता है। लकड़ी के लिए 15-20 हजार लगता है, इससे अच्छा है हम गोबर के लंबे कंडे बनाए। उसमें सामग्री खुशबूदार लगा दें। एक ऑर्डर लगा दें कि जो भी मरता है, उसको गोबर के कंडो से हम लोग जला दें। इसमें 1500 से 2000 के रस्म रिवाज आएंगे। आप लोग कंडे बेचोगे तो लाखों लाख के कंडे बिक जाएंगे। बल्दीराय में कल शनिवार को 4 बजे एक कार्यक्रम का आयोजन था। जहां सांसद मेनका गांधी राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत स्थापित उद्यमिता प्रेरणा महिला लघु उद्योग में पोषाहार बनाने की यूनिट का शुभारंभ करने पहुंची थी। यहां मेनका गांधी ने कहा कि मैं नहीं चाहती आप जानवरों के ऊपर कुछ भी पैसा कमाए।

सबसे बड़ी डाटा चोरी का हुआ भंडाफोड़, स्विगी, नेटफ्लिक्स से लेकर पैन कार्ड तक शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना में साइबराबाद पुलिस ने देश का सबसे बड़ा डेटा चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। हैदराबाद पुलिस ने 24 राज्यों और 8 महानगरों के 66.9 करोड़ व्यक्तियों और निजी संगठनों का निजी व गोपनीय डेटा चुराने, अपने पास रखने और बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बायजूस और वेदांतु संगठनों के छात्रों से संबंधित डेटा के अलावा, आरोपी के पास 8 मेट्रो शहरों में फैले 1.84 लाख कैब यूजर्स से संबंधित डेटा, 6 शहरों और गुजरात राज्य में 4.5 लाख वेतनभोगी कर्मचारियों का डेटा था। जानकारी के अनुसार आरोपी विनय भारद्वाज ने फरीदाबाद, हरियाणा में एक कार्यालय स्थापित किया था और आमेर सोहेल और मदन गोपाल से डेटाबेस एकत्र किया था। उसने मुनाफे के लिए जालसाजों को डेटा फिर से बेचने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रचार करता था। पुलिस ने कहा कि आरोपी के पास जीएसटी (पैन इंडिया), आरटीओ (पैन इंडिया), अमेजॉन, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, पेटीएम, फोनपे, बिग बास्केट, बुक माय शो, इंस्टाग्राम, जोमैटो, पॉलिसी बाजार, अपस्टॉक्स जैसे प्रमुख संगठनों के उपभोक्ता व ग्राहकों के डेटा भी हैं। आरोपी व्यक्ति द्वारा 104 श्रेणियों में रखे गए लगभग 66.9 करोड़ व्यक्तियों और संगठनों के व्यक्तिगत और गोपनीय डेटा बेचते हुए पाया गया। इसमें 44 श्रेणियों में बनाए गए 24 राज्यों और 8 शहरों के व्यक्तियों और संगठनों के 51.9 करोड़ लोगों का डेटा शामिल है। आरोपी के पास मौजूद कुछ महत्वपूर्ण डेटा में रक्षाकर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, पैनकार्ड धारकों, नौवीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं, डी-मैट खाताधारकों, विभिन्न व्यक्तियों, नीट छात्रों, अमीर व्यक्तियों, बीमाधारकों, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड धारकों का डेटा और मोबाइल नंबर शामिल हैं।

उद्धव के खिलाफ दिए बयान में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को कोर्ट से राहत

मुंबई। केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे को कोर्ट से राहत ?मिल गई है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नारायण राणे को राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विवादित टिप्पणी के मामले में दो आरोपमुक्त कर दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (रायगढ़-अलीबाग) एस. डब्ल्यू. उगले ने राणे को बरी किया। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। राणे के खिलाफ रायगढ़ जिले के महाड में 2021 में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्हें उनकी टिप्पणी के लिए रत्नागिरी जिले से गिरफ्तार किया गया था।

ममता दीदी सो रही हैं, एक वर्ग को दे रही हैं संरक्षण व बिहार में लौटा जंगलराज: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को रामनवमी उत्सव के दौरान राज्यों में सांप्रदायिक झड़पों को लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल सरकारों पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री ने यहां राष्ट्रीय राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जीतो अहिंसा दौड़ को संबोधित किया। ठाकुर ने हिंसा को लेकर बिहार सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में जंगलराज लौट आया है।

बंगाल हिंसा पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि रामनवमी के समय जैसे बंगाल और कुछ अन्य राज्यों में हिंसा हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। ममता दीदी सो रही हैं, एक वर्ग को संरक्षण दे रही हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक सीएम के नाक तले हिंदुओं पर हमला होता है और वे मुकदर्शक बनी रहती हैं। अनुराग ठाकुर ने बंगाल हिंसा पर आगे कहा कि कानून व्यवस्था कैसे चरमराती है, इसकी सबसे बड़ी रोल मॉडल ममता बनर्जी हैं। एक वर्ग के साथ खड़े होकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने के लिए उकसाया कैसे जाता है वह ममता बनर्जी के बोलों से नज़र आता है। ममता जी, थोड़ी तो ममता दिखाइए।

अनुराग ठाकुर ने मीडिया से कहा कि मैं इतना ही कहूंगा कि जिस तरह से बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है और जंगलराज आ गया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि लालू शासन के दौरान जो जंगलराज था, वह तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से लौट आया है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल और देश के अन्य हिस्सों में रामनवमी उत्सव के दौरान हुई हिंसा भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में 30 मार्च को रामनवमी समारोह के दौरान हावड़ा में दो समूह आपस में भिड़ गए। कई वाहनों में आग लगा दी गई और सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने शनिवार को कहा कि कुल 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, दो मामले दर्ज किए गए हैं और कुछ इलाकों में धारा 144 लगाई गई है। बिहार में, 31 मार्च को नालंदा के बिहार शरीफ और रोहतास जिले के सासाराम में झड़प की सूचना मिली थी, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दौरा होने वाला था। बिहार पुलिस ने रविवार को कहा कि सासाराम और नालंदा जिले के बिहार शरीफ में स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है। असामाजिक तत्वों की पहचान के बाद घटना के सिलसिले में नालंदा में 27 और सासाराम में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और नालंदा में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू है।

मोदी की 'सुपारी' वाली टिप्पणी पर सिब्बल ने मुकदमा चलाने की मांग की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'सुपारी' वाली टिप्पणी पर कपिल सिब्बल ने मुकदमा चलाने की मांग की है। बयान के एक दिन बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को उनसे उन लोगों के नाम बताने के लिए कहा, जिन्होंने उनकी छवि बिगाड़ने के लिए सुपारी दे रखी है और कहा कि 'हमें उन पर मुकदमा चलाने दें।' जानकारी के अनुसार भोपाल में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर शनिवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद मोदी ने वहां जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा था, 'हमारे देश में कुछ लोग हैं, जो 2014 के बाद से ही यह ठानकर बैठे हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से बोला भी है। उन्होंने अपना संकल्प घोषित किया है कि हम मोदी की छवि को धूमिल करके रहेंगे।' प्रधानमंत्री ने कहा था, 'इसके लिए इन लोगों ने भांति-भांति के लोगों को सुपारी दे रखी है और खुद भी मोर्चा संभाले हुए हैं। इन लोगों का साथ देने के लिए कुछ लोग देश के भीतर हैं और कुछ देश के बाहर भी बैठकर अपना काम कर रहे हैं।' इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने कहा, कि मोदी जी कृपया हमें इन लोगों, संस्थानों या देशों के नाम बताइए। यह कोई सरकारी रहस्य नहीं हो सकता। हमें उन पर मुकदमा चलाने दीजिए।

आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश में हारेगी : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अत्याचार और अन्याय करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश में हारेगी। वहीं, पलटवार करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि अखिलेश यादव की आत्मा सत्ता पाने के लिए भटक रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश से साफ कर दिया है और 2024 के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार आएगी।

कानपुर में अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर प्रहार किया। यहां जारी एक बयान में यादव ने कहा, ''जनता दुःखी है, लोकसभा में बड़ा परिवर्तन दिखाई देगा और भाजपा उत्तर प्रदेश में हार जाएगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अन्याय कर रही है और बुलडोजर से कानपुर देहात में मां-बेटी की जान चली गई। सपा नेता ने आरोप लगाया कि कानपुर में ही पुलिस ने बलवंत सिंह की हत्या कर दी और इस परिवार को न्याय नहीं मिला है।

बयान के अनुसार, कानपुर देहात में एक अन्य कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नेता दिवंगत सुखदेव पाल (मुन्ना पाल) की प्रतिमा के अनावरण के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में स्थायी डीजीपी नहीं है, इसीलिए पुलिस खुलेआम ''अन्याय और भ्रष्टाचार'' कर रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डी.एस. चौहान के सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने 1988 बैच के आईपीएस राजकुमार विश्वकर्मा को कार्यवाहक डीजीपी तैनात किया है जिनकी सेवा अवधि 31 मई, 2023 तक ही बची है।

सपा प्रमुख ने कहा, प्रदेश में जब बदलाव होगा, भाजपा के भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। सब रिकॉर्ड में है। समय बदलेगा तो भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होगी। उधर, हरदोई के संडीला में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम की शुरुआत करने पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, ''अखिलेश यादव की आत्मा सत्ता पाने के लिए भटक रही है लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश से साफ कर दिया है और 2024 के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार आएगी।

कांग्रेस वास्तव में वह आधार होगी, जिसके चारों ओर अन्य पार्टियां जुटेंगी : शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस) लोकसभा सांसद शशि थरूर ने हालिया विपक्षी एकता की लहर का स्वागत करते हुए रविवार को कहा कि कांग्रेस वास्तव में वह आधार होगी, जिसके चारों ओर अन्य पार्टियां जुटती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि वह पार्टी नेतृत्व में होते, तो वे इसके बारे में शेखी बघारते नहीं होते और 2024 के आम चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए गठबंधन के संयोजक की भूमिका निभाने के लिए छोटे संगठनों में से एक को प्रोत्साहित करते।

मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में थरूर ने कहा कि 2019 के मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लोकसभा से राहुल गांधी की अयोग्यता ने विपक्षी एकता की आश्चर्यजनक लहर उत्पन्न की है। कई दलों ने इस कहावत की सच्चाई को महसूस करना शुरू कर दिया है कि यूनाइटेड वी स्टैंड, डिवाइडेड वी फाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि यदि अधिकांश विपक्षी दलों ने एक साथ आने और एक-दूसरे के वोटों को विभाजित करने से रोकने के लिए अब एक नया कारण खोज लिया है तो भाजपा को 2024 के चुनावों में बहुमत हासिल करना बहुत कठिन हो सकता है।

शशि थरूर ने कहा कि अगर सूरत की अदालत का फैसला भारत को अधिक एकजुट विपक्ष देता है, तो यह सत्तारूढ़ पार्टी के लिए बुरी खबर हो सकती है, जिसने 2019 के चुनावों में केवल 37 प्रतिशत वोट के साथ, लेकिन लोकसभा की 60 प्रतिशत से अधिक सीटों के साथ जीत हासिल की। बाकी वोट 35 विजयी दलों को गए।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह 1970 के दशक में अपनी दादी, पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के साथ राहुल गांधी की अयोग्यता में समानता देखते हैं, थरूर ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस निंदनीय अयोग्यता और जेल की सजा के बाद जनता की सहानुभूति राहुल गांधी के साथ है। उन्होंने कहा कि लोग महसूस करते हैं कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है कि प्रमुख विपक्षी दल के प्रमुख नेता को जेल की सजा दी जाती है और संसद में आवाज नहीं उठाई जाती है।

पीएम मोदी आज करेंगे सीबीआई के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन

नई दिल्ली । देश राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 अप्रैल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और सीबीआई के सर्वश्रेष्ठ जांच अधिकारियों और स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों के लिए एक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री पुरस्कार विजेताओं को पदक प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री शिलांग, पुणे और नागपुर में सीबीआई के नवनिर्मित कार्यालय परिसरों का भी वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। वह सीबीआई के हीरक जयंती समारोह वर्ष को चिन्हित करते हुए एक डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी करेंगे।

नीतीश कुमार के लिए बीजेपी के दरवाजे हमेशा के लिए बंद : गृह मंत्री

नवादा (एजेंसी)। भाजपा ने नीतीश कुमार के लिए दरबाजे हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। बिहार दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने नवादा में जनसभा को संबोधित करते हुये बड़ा बयान दिया है। अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह पर निशाना साधते हुये कहा कि अगर आप दोनों सोचते हैं कि आप लोगों को बीजेपी का दोबारा साथ मिलेगा तो यह भूल जाइए आप लोगों के लिए बीजेपी के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। अमित शाह ने कहा कि मैं बिहार की जनता को भरोसा दिलाता हूं कि हमलोग अब नीतीश कुमार के साथ गठबंधन नहीं करने वाले हैं। वहीं इससे पहले अमित शाह ने कहा कि आज मुझे सासाराम जाना था, वहां मुझे महान सम्राट अशोक के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन, सासाराम में हिंसा फैली है, बवाल मचा है। इसलिए मैं नहीं जा पाया। मैं जल्द ही सासाराम जाऊंगा. वहीं अमित शाह ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधते हुये कहा कि मैं देश का गृह मंत्री हूं इसलिए मुझे पूरे देश के साथ-साथ बिहार की भी चिंता है। अमित शाह ने

सासाराम और नालंदा हिंसा पर बोलते हुए कहा कि बिहार की जनता से यह कहना चाहता हूं कि 2024 में बिहार को 40 सीट दीजिए और 2025 में बीजेपी की सरकार बनाइए. दंगा करने वालो को उलटा लटका कर सीधा करेंगे. हम तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करते हैं। सासाराम और नालंदा की घटना से मन दुखी होता है। अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुये कहा कि वह कुर्सी के लिए लालू यादव का साथ नहीं छोड़ पा रहे हैं। लेकिन, बीजेपी की कोई मजबूरी नहीं है। वहीं अमित शाह ने लालू प्रसाद को संदेश देते हुये कहा कि यदि आप सोच रहे हैं कि नीतीश कुमार पीएम बनेंगे और आपके बेटे तेजस्वी यादव को नीतीश जी सीएम बनाएंगे तो यह उम्मीद छोड़ दीजिये क्यों कि न तो नीतीश कुमार पीएम बनेंगे और न ही नीतीश कुमार तेजस्वी को सीएम बनाएंगे।

अमित शाह को बिहार की नहीं, 40 लोकसभा सीटों की चिंता: आरजेडी

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने मांगा नीतीश का इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार में शनिवार रात को दो अलग-अलग हिस्सों सासाराम और बिहार शरीफ में हिंसा हो गई। वहीं इस मामले को लेकर अब सियासत गर्माने लगी है। राज्य के हालातों को लेकर जहां गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से बातचीत की, तो वहीं आरजेडी ने अमित शाह पर निशाना साधा है। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश के इस्तीफे की मांग की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राज्यपाल से बातचीत के बाद आरजेडी ने प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई से मन भर गया तो अमित शाह केंद्रीय सुरक्षाबलों को बिहार भेजने की बात कर रहे हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मडिया को बताया कि अमित शाह को बिहार की नहीं, बल्कि 40 लोकसभा सीटों की चिंता है।

वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिहार में हो रही हिंसा की घटनाओं के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है, तो वह मुख्यमंत्री क्यों बने बैठे हैं? नीतीश अपने पद से इस्तीफा दे दें, क्योंकि बिहार पूरी तरह बंगाल के रास्ते पर जा रहा है। बंगाल में जैसे हिंदुओं के साथ हो रहा है, वही अब बिहार में शुरू हो चुका है। बिहार में भी अब गजवा-ए-हिंद वालों का बोलबाला है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिंसा के बाद बने हालात से निपटने के लिए राज्य प्रशासन की सहायता के लिए बिहार में अतिरिक्त अर्द्धसैनिक बल भेजने का फैसला किया है। वहीं, राज्यपाल ने शाह को राज्य के मौजूदा हालात से अवगत कराया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बिहार की महागठबंधन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। पिछले 1 महीने में राज्य के अंदर अपराधिक घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने विवादित बयान देते हुए कहा कि अमित शाह बिहार पर एटम बम गिरवा दें। बिहार की जनता बीजेपी को वोट नहीं कर रही, इससे वह बेचैन हैं। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि अमित शाह उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर वहां के राज्यपाल से बातचीत क्यों नहीं करते। यूपी में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई गई? लेकिन वह बिहार में अर्द्धसैनिक बलों की संख्या बढ़ाएंगे, क्योंकि यहां की जनता बीजेपी को वोट नहीं करती। बिहार में रामनवमी हिंसा पर कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि इतने सालों से रामनवमी पर जुलूस निकल रहे हैं, तब तो हिंसा नहीं हुई? यह सब अब इसलिए हो रहा है क्योंकि 2024 का चुनाव नजदीक आ रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कुछ कंपनियां बिहार के संवेदनशील इलाकों में तैनात की गई हैं और कुछ कंपनियां पहुंच जाएंगी। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों की तैनाती राज्य पुलिस को सहयोग करने के लिए और राज्य में शांति स्थापित करने के लिए है। 10 पैरामिलिट्री की कंपनियों को बिहार भेजा गया है, इसमें सीआरपीएफ, एसएसबी और आईटीबीपी के जवान शामिल हैं।

इसरो ने एक और भरी उड़ान : स्पेस से धरती पर स्वयं लैंड कर जाएगा लॉन्च व्हीकल

बैंगलुरु । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक नई उड़ान भरी है। रविवार सुबह रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ऑटोनॉमस लैंडिंग मिशन या आरएलवी-एलईएक्स का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में किया गया। एक बयान में कहा गया है कि इसी के साथ इसरो ने प्रक्षेपण यान की स्वायत्त लैंडिंग के क्षेत्र में सफलता हासिल कर ली। इसरो ने कहा कि एलईएक्स के साथ ही रीयूजेबल लॉन्च के क्षेत्र में भारत अपने लक्ष्य के एक और कदम करीब पहुंच गया। दुनिया में पहली बार एक 'विंग बॉडी' को एक हेलीकॉप्टर की मदद से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाया गया और रनवे पर स्वायत्त लैंडिंग के लिए छोड़ा गया। भारतीय वायुसेना के चिनुक हेलीकॉप्टर के जरिये आरएलवी ने भारतीय समयानुसार सुबह सात बजकर 10 मिनट पर (औसत समुद्र तल से) 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरी। तय मापदंडों तक पहुंचने के बाद मिशन प्रबंधन कंप्यूटर की कमान के आधार पर आरएलवी को बीच हवा में 4.6 किलोमीटर की क्षैतिज दूरी से छोड़ा गया। स्थिति, वेग, ऊंचाई आदि समेत 10 मापदंडों पर नजर रखी गई और इनके पूरा होने पर आरएलवी को छोड़ा गया। आरएलवी को छोड़े जाने की प्रक्रिया स्वायत्त थी।

ईडी ने 9 सालों में 95 हजार करोड़ की अवैध संपत्ति की कुर्क

-कई रसूखदारों पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामले किए गए दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले कुछ वर्षों के दौरान भ्रष्टाचार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। कई बड़े नेताओं तक पर इसकी गाज गिरी है और उन पर छापेमारी कर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले चार वर्षों में एजेंसी द्वारा दर्ज किए गए मामलों की संख्या में 500 प्रतिशत से अधिक की जबरदस्त वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार 2018-19 और 2021-22 के बीच ईडी द्वारा दर्ज मामलों में 505 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2018-19 में ईडी द्वारा 195 मामले दर्ज किए गए जो कि 2021-22 में बढ़कर 1180 हो गए। ईडी द्वारा धरपकड़ और खोजी कार्रवाई में भी तेजी आई है।

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार ईडी द्वारा 2004-14 के बीच केवल 112 खोजें की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 5 हजार 346 करोड़ रुपये की अवैध आय कुर्क की गई। वहीं, 2014-22 में खोजों की संख्या 2 हजार 555 प्रतिशत बढ़कर 2 हजार 974 हो गई, जिसके परिणामस्वरूप 95 हजार 432 करोड़ रुपये की अवैध आय की कुर्की हुई।

ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामलों में भारी वृद्धि के साथ कई विपक्षी दलों के नेताओं पर भी केस दर्ज हुए हैं। इसी के चलते भाजपा शासित केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दल बदले की कार्रवाई का आरोप लगा रहा है। विपक्षी दलों ने बार-बार केंद्र सरकार पर ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

हालांकि, सरकार ने केवल मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ कार्रवाई बताया है। ईडी द्वारा बीआरएस की के. कविता सहित कई विपक्षी नेताओं से पूछताछ की जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया गया है और वह फिलहाल ईडी के एक मामले में जेल में बंद हैं। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उन लोगों में शामिल हैं, जिनसे एजेंसी ने पूछताछ की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व शांति के लिये

भगवान महावीर का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

लेखक - विजय कुमार जैन महावीर जन्मोत्सव पर विशेष

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2622 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 03 अप्रैल 23 दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2549 वाँ निर्वाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 25 अक्टूबर 22 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो पिछले तीन वर्ष से सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज आ रही है हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा- आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्ववंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रियजन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2622 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,

दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(नोटः लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

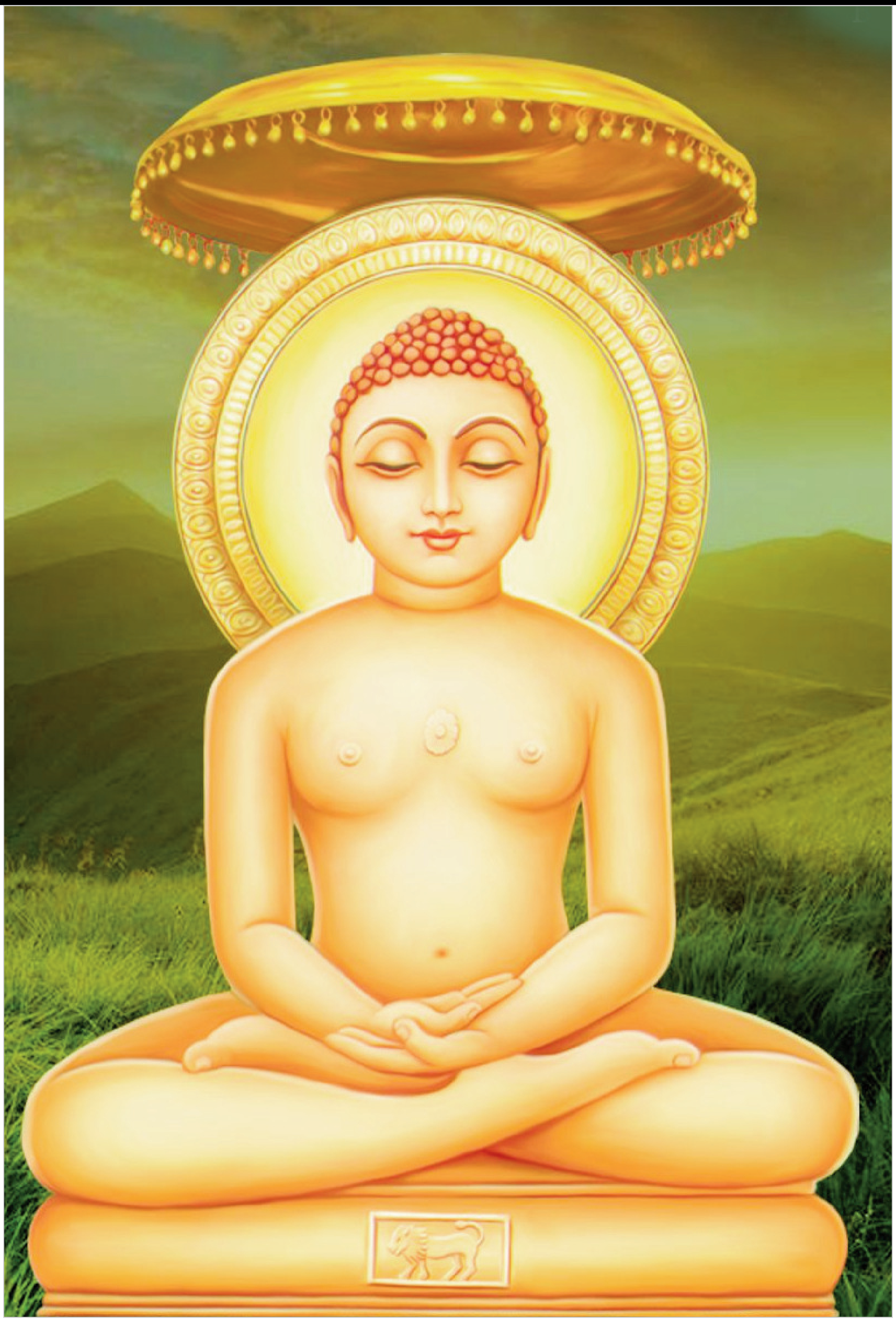

सभी प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिलाता है

हनुमान यज्ञ

'नासे रोग हरे सब पीरा। जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।'

हनुमान चालीसा की यह चौपाई बताती है कि बजरंग बली सभी प्रकार रोगों और पीड़ाओं से मुक्ति दिला सकते हैं। इसी प्रकार कलयुग में हनुमान यज्ञ सभी प्रकार की पीड़ा से मुक्ति दिलाने वाला और धन और यश की प्राप्ति के लिए एक उत्तम और चमत्कारिक उपाय के रूप में बताया जाता है। संतों के अनुसार हनुमान यज्ञ में इतनी शक्ति है कि अगर विधिवत रूप से यज्ञ को कर लिया जाए तो यह व्यक्ति की हर मनोकामना को पूरा कर सकता है। इसलिए शायद कई हिन्दू राजा युद्ध में जाने से पहले हनुमान यज्ञ का आयोजन जरूर करते थे।

आइये जानते हैं कैसे होता है हनुमान यज्ञ और यदि कोई हनुमान यज्ञ नहीं करवा सकता है तो हनुमान जी की कृपा प्राप्ति का अन्य उपाय-

हनुमान यज्ञ को एक सिद्ध ब्राह्मण की आवश्यकता से ही विधिवत पूर्ण किया जा सकता है। यह यज्ञ इंसान को धन और यश की प्राप्ति करवाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान यज्ञ से हनुमान जी की पूजा करता है और ध्यान करता है उसके जीवन में सभी समस्याएं निश्चित रूप से समाप्त हो जाती हैं। हनुमानजी को प्रसन्न करने का यह सर्वाधिक लोकप्रिय उपाय है। इस यज्ञ में हनुमान जी के मन्त्रों द्वारा, इनको बुलाया जाता है और साथ ही साथ अन्य देवों की भी आराधना इस यज्ञ में की जाती है। कहा जाता है कि इस यज्ञ में जैसे ही भगवान श्रीराम का स्मरण किया जाता है तो इस बात से प्रसन्न होकर, हनुमान जी यज्ञ स्थल पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो जाते हैं।

हनुमान यज्ञ के लिए कुछ आवश्यक वस्तुयें-

लाल फूल, रोली, कलावा, हवन कुंड, हवन की लकडियाँ, गंगाजल, एक जल का लोटा, पंचामृत, लाल लंगोट, पांच प्रकार के फल। पूजा सामग्री की पूरी सूची, यज्ञ से पहले ही ब्राह्मण द्वारा बनवा लेनी चाहिए।

हनुमान यज्ञ के लिए सबसे लिए मंगलवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इस यज्ञ को विधिवत पूरा एक ब्राह्मण की सहायता से ही करवाया जा सकता है।

अगर कोई व्यक्ति किसी कारण, पंडित जी से यज्ञ या हवन नहीं करवा सकता है तो ऐसे वह स्वयं से भी एक अन्य पूजा विधान को घर में खुद से कर सकता है।

पूजन विधि

हनुमान जी की एक प्रतिमा को घर की साफ़ जगह या घर के मंदिर में स्थापित करें और पूजन करते समय आसन पर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठ जाएं। इसके पश्चात हाथ में चावल व फूल लें व इस मंत्र (प्रार्थना) से हनुमानजी का स्मरण करें-

ध्यान करें-

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यं।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।
ऊँ हनुमते नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि सर्मपयामि।।

अब हाथ में लिया हुआ चावल व फूल हनुमानजी को अर्पित कर दें।

इसके बाद इन मंत्रों का उच्चारण करते हुए हनुमानजी के सामने किसी बर्तन अथवा भूमि पर तीन बार जल छोड़ें।

ऊँ हनुमते नमः, पाद्यं समर्पयामि।।
अर्ध्यं समर्पयामि। आचमनीयं समर्पयामि।।

इसके बाद हनुमानजी को गंध, सिंदूर, कुंकुम, चावल, फूल व हार अर्पित करें। इसके पश्चात् हनुमान जी की उपयोगी और सरल 'हनुमान चालीसा' का कम से कम 5 बार जाप करें।

सबसे अंत में घी के दीये के साथ हनुमान जी की आरती करें। इस प्रकार यह यज्ञ और निरंतर घर में इस प्रकार किया गया पूजन, हनुमान जी को प्रसन्न करता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को भी पूरा करता है।

जन्म कुंडली से पता चलते हैं दाम्पत्य जीवन में कलह और मधुरता के योग

दाम्पत्य में जीवन साथी अनुकूल हो तो हर तरह की परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है लेकिन यदि दाम्पत्य जीवन में दोनों में से किसी भी एक व्यक्ति का व्यवहार यदि अनुकूल नहीं रहता है तो रिश्ते में कलह और परेशानियों का दौर लगा रहता है। ज्योतिषशास्त्र में जातक की जन्म कुंडली को देखकर, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आपके दाम्पत्य जीवन में कलह के योग कब उत्पन्न हो सकते हैं।

जीवन में कलह के योग बनते हैं-

- कुंडली में सप्तम या सातवाँ घर विवाह और दाम्पत्य जीवन से सम्बन्ध रखता है। यदि इस घर पर पाप ग्रह या नीच ग्रह की दृष्टि रहती है तो वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
- यदि जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में सूर्य हो तो उसकी पत्नी शिक्षित, सुशील, सुंदर एवं कार्यों में दक्ष होती है, किंतु ऐसी स्थिति में सप्तम भाव पर यदि किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह और सुखों का अभाव बन जाता है।
- यदि जन्म कुण्डली में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, द्वादश स्थान स्थित मंगल होने से जातक को मंगली योग होता है इस योग के होने से जातक के विवाह में विलम्ब, विवाहोपरान्त पति-पत्नी में कलह, पति या पत्नी के स्वास्थ्य में क्षीणता, तलाक एवं क्रूर मंगली होने पर जीवन साथी की मृत्यु तक हो सकती है।
- जन्म-कुंडली के सातवें या सप्तम भाव में अगर अशुभ ग्रह या क्रूर ग्रह (शनि, राहू, केतु या मंगल) ग्रहों की दृष्टी हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह के योग उत्पन्न हो जाते हैं। शनि और राहु का सप्तम भाव होना भी वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता है।
- राहु, सूर्य और शनि पृथकतावादी ग्रह हैं, जो सप्तम (दाम्पत्य)और द्वितीय (कुटुंब) भावों पर विपरीत प्रभाव डालकर वैवाहिक जीवन को नारकीय बना देते हैं।
- यदि अकेला राहू सातवें भाव में तथा अकेला शनि पांचवें भाव में बैठा हो तो तलाक हो जाता है। किन्तु ऐसी अवस्था में शनि को लग्नेश नहीं होना चाहिए। या लग्न में उच्च का गुरु नहीं होना चाहिए।
- अब इसी प्रकार एक सुखमय और मधुर वैवाहिक जीवन की बात करें तो जातक की जन्म-कुंडली में ग्रहों की स्थिति कुछ इस प्रकार से होनी चाहिए-
- सप्तमेश का नवमेश से योग किसी भी केंद्र में हो तथा बुध, गुरु अथवा शुक्र में से कोई भी या सभी उच्च राशि गत हो तो दाम्पत्य जीवन सुखमय पूर्ण रहता है।
- यदि दोनों में से किसी की भी कुंडली में पंच महापुरुष योग बनाते हुए शुक्र अथवा गुरु से किसी कोण में सूर्य हो तो दाम्पत्य जीवन अच्छा होता है।
- यदि सप्तमेश उच्चस्थ होकर लग्नेश के साथ किसी केंद्र अथवा कोण में युति करे तो दाम्पत्य जीवन सुखी होता है।
- यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में वैवाहिक जीवन को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो उपाय के लिए सबसे पहले पति-पत्नी की कुंडली का मिलान बेहद जरूरी हो जाता है। दोनों जातकों की कुंडली का एक मिलान करके ही ज्योतिषाचार्य उपाय को बता सकते हैं।
- कई बार देखा गया है कि यदि पत्नी की कुंडली में यह दोष मौजूद है और पति की कुंडली अनुकूल है तो समस्या थोड़ी कम हो जाती है और इसी के उल्ट भी कई बार हो जाता है। लेकिन यदि दोनों व्यक्तियों की कुंडली में सप्तम भाव सही नहीं रहता है तो उस स्थिति में जीवन नरकीय बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में कुंडली का मिलन समय से कराकर, उपायों को अगर अपनाया जाए तो पीड़ा कम हो जाती है।